सितंबर 2025

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

INDIA का विश्वास अखिलेश से आस

R.N.I. No. 68832/97

भारत को सबसे ज्यादा खतरा चीन से है। हम समाजवादी बीते दो दशक से सरकारों को चीन के खतरे से आगाह करते रहे हैं। चीन हर स्तर पर भारत के खिलाफ साजिश रचता है। देश के बाजार चीनी सामान से पटे पड़े हैं। ये सामान घटिया भी होते हैं और भारत की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाते हैं। देशवासियों विशेषकर सरकारों को चीन से हमेशा सावधान रहना चाहिए।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी
बुलेटिन
सितंबर 2025
वर्ष 26 | संख्या 11

अंदर

PDA काव्य विचार

PDA को तुमने जबसे सजग किया
मातम सा छा गया है मक्कारों में,
नेता तो हुए बहुत इस जमाने में
तुम सा नहीं है कोई भी हजारों में
2027 में बनेगी अखिलेश सरकार
चर्चा आम है सियासी गलियारों में ॥

-वीरेन्द्र कुमार यादव
ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

जनता से लगातार संवाद कर रहे अखिलेश 18

06 कवर स्टोरी

INDIA का विश्वास अखिलेश से आस

चीन परस्ती भारत के लिए खतरनाक 22

चीनी सामानों ने भारत के बाजारों पर एक तरह से कब्जा जमा लिया है जो स्वदेशी पर चोट है। देश के उद्योगपतियों, व्यापारियों और किसानों के लिए चीनी उत्पाद लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं मगर स्वदेशी का नारा लगाने वाली भाजपा सरकार ने चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाकर देश को आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है।

आपातकाल के पांच दशक: लोकतंत्र और संविधान से सबक 30
अन्नदाता के हक में सड़क पर उतरे समाजवादी 36

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित
R.N.I. No. 68832/97

गंगा-जमुनी तहज़ीब से सराबोर रंग-ए-वॉरिस

बुलेटिन ब्यूरो

सूफी संत हज़रत हाजी वारिस अली शाह रहमतुल्लाह अलैह की शिक्षाओं और गंगा-जमुनी तहज़ीब को समर्पित एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम "रंग-ए-वॉरिस" का आयोजन 23 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सूफी सेवा फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन सैयद हिलाल मुजीवी रज्जाकी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव रहे।

कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि "हाजी वारिस अली शाह का पैग़ाम मज़हबी एकता, इंसानियत और मोहब्बत का है। उनकी गंगा-जमुनी तहज़ीब आज के दौर में समाज को नई दिशा देने वाली है।"

"रंग-ए-वॉरिस" के अवसर पर देशभर के अनेक सम्मानित सज्जादानशीन व सूफी संत पधारे जिसमें हज़रत ग़यासउद्दीन चिश्ती अजमेर शरीफ़, कारी फसीह रज्जाकी, हजरत शोएबुल बकाई, हजरत नजमुल हसन उस्मानी साहब, हजरत बरकत मियां, हजरत आलम मंसूरी, हजरत अदीब निजामी साहब, सोहेल वारसी साहेब, अरफ अशरफ साहेब, हैदर अशरफ साहब, जनाव मौलाना इकबाल कादरी, मो शकील नदवी, हजरत सूजा सफावी, हसीब किदवाई साहब, हजरत शाद फारूखी, लारैब अलवी, अरसलान करीमी, हयात अहमद, सैयद वाजी रिजवी, शुजाउर रहमान साफवी ने अपनी रूहानी मौजूदगी से महफ़िल को

रोशन किया।

कार्यक्रम में दास्तानगोई के जरिये अदबी अंदाज़ में हाजी वारिस अली शाह की ज़िंदगी और उनकी तालीमात का बयान, सूफियाना कलाम और वारिस पाक की शान में पेश की गई रूहानी क़व्वालियाें ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही हज़रत हाजी वारिस अली शाह की गंगा-जमुनी तहज़ीब और उनकी खिदमतों पर विद्वानों ने गहन चर्चा की।

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं-नेताओं के अलावा लखनऊ सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए शायरों, उलेमाओं, साहित्यकारों और समाज के प्रबुद्ध वर्ग ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

"रंग-ए-वॉरिस" ने एक बार फिर यह साबित किया कि हाजी वारिस अली शाह का पैग़ाम सिर्फ मज़हबी नहीं बल्कि इंसानियत और भाईचारे का संदेश है, जो हर दिल को जोड़ता है।

"रंग-ए-वॉरिस" के अवसर पर पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह, माता प्रसाद पाण्डेय नेता प्रतिपक्ष विधान सभा, राजेन्द्र चौधरी पूर्व कैबिनेट मंत्री, श्याम लाल पाल प्रदेश अध्यक्ष, जासमीर अंसारी एमएलसी, अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, इमरान उल्ला एडवोकेट इलाहाबाद हाईकोर्ट, उदयवीर सिंह पूर्व एमएलसी, हिमांशु किस्सागो, विजय यादव विकास यादव, सलामतुल्ला, डॉ आरसी अग्रवाल, डॉ भुवन तिवारी, राजकुमार भाटी, उदय राज यादव पूर्व विधायक, पायल सिंह प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी किन्नर सभा की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।

INDIA का विश्वास अखिलेश से आस

बुलेटिन ब्यूरो

राजनीति के शिखर पर पहुंचना और लोगों की उम्मीद बन जाना, विश्वास जीतना एक दिन का काम नहीं होता है। इसके पीछे वर्षों का संघर्ष, साथियों को साथ लेने की कला और नीति और नीयत का स्पष्ट और पारदर्शी होना सबसे जरूरी तत्व है और इन सभी गुणों में पारंगत हैं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव। यही वजह है कि श्री यादव INDIA गठबंधन के सबसे विश्वसनीय और ताकतवर सहयोगी होने का विश्वास पा चुके हैं।

वह इस गठबंधन में अहम किरदार निभा रहे हैं। चूंकि वह स्पष्ट और बेबाक माने जाते हैं इसलिए गठबंधन के सहयोगी भी उनकी बात को गौर से सुनते हैं। अमल करते हैं। बिहार में जब INDIA गठबंधन ने गरीबों, मजलूमों, वंचितों के मताधिकार को बचाने के लिए वोटर अधिकार यात्रा शुरू की तो श्री अखिलेश यादव को भी उसमें शामिल होने का न्योता दिया गया।

चूंकि श्री अखिलेश यादव पूरी ईमानदारी और मजबूती के साथ गठबंधन धर्म निभाना जानते हैं इसलिए उन्होंने भी न केवल सहर्ष सहमति दी बल्कि बिहार पहुंचकर वोटर अधिकार यात्रा का नेतृत्व कर समां बांध दिया। श्री यादव के बिहार पहुंचने का सबसे पड़ा फायदा यहा हुआ कि पीडीए समाज एकजुट हो गया। पीडीए की यही एकता बिहार में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में INDIA गठबंधन की सरकार बनाने की राह आसान ही नहीं सुनिश्चित करने जा रही है।

श्री अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ी और अमिट लकीर खींची है। देश की राजनीति पिछले कई वर्षों से देख रही है कि श्री यादव एक ऐसे राजनेता हैं जिनकी कथनी-करनी में कोई फर्क नहीं है। उनकी इस विशेषता से देश वाकिफ हो चुका है कि श्री अखिलेश यादव और उनकी पार्टी जिसके साथ खड़ी हो गई, नफा-नुकसान की परवाह किए बिना साथ खड़ी रहती है।

श्री यादव की इसी स्पष्टवादिता का नतीजा रहा कि पिछले दिनों जब वह किसी भी राज्य के दौरे पर गए तो उन्हें हाथों हाथ लिया गया। सम्मान-स्वागत कर उनकी सकारात्मक राजनीति पर मुहर लगाई गई। सामाजिक

सौहार्द की दिशा में उनके काम को सराहा गया। सामाजिक न्याय की उनकी लड़ाई को और धार देने का समर्थन मिला।

श्री अखिलेश यादव का INDIA गठबंधन के सहयोगी दलों में बढ़ते विश्वास का सबूत संसद के मानसून सत्र के दौरान भी साफतौर पर दिखा जब कई मसलों विशेषकर बिहार में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ खड़े हुए INDIA गठबंधन के साथ श्री यादव न केवल खड़े हुए बल्कि वह विरोध प्रदर्शन में पुलिस बैरीकेडिंग को भी लांघने में न हिचके न झिझके। भाजपा सरकार की पुलिस की लगाई गई बाधा को पार कर उन्होंने संदेश दे दिया कि समाजवादी ही संघर्ष के असली योद्धा हैं।

संसद सत्र के बाद बिहार पहुंचकर श्री अखिलेश यादव ने साझा वोटरर अधिकार यात्रा की अगुआई कर बिहार की जनता के साथ ही देश के हर उस शख्स तक संदेश पहुंचा दिया कि भाजपा के हर जोर जुल्म का मुकाबला करने के लिए अखिलेश यादव संकल्पित हैं।

श्री अखिलेश यादव एक ऐसे राजनेता हैं जो गरीबों-मजलूमों की आवाज तो बुलंद करते ही हैं, देशहित में भी सबसे आगे बढ़कर काम करते हैं। आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य की हर स्तर पर सराहना करना हो या देश की सरहदों की चिंता, श्री अखिलेश यादव हमेशा ही मुखर रहे हैं।

अमेरिकी टैरिफ को लेकर चिंतित एक्सपोर्टर की परेशानियों को भी उन्होंने न केवल समझा बल्कि उनके समर्थन में आगे भी आए। चिंता जताई और उनका समर्थन करते हुए सरकार को कई तरह के काम करने की सलाह भी दी।

INDIA गठबंधन में सहयोगियों के बीच विश्वास जमा चुके श्री अखिलेश यादव से जनता को भी बहुत आस है। उनकी नीति-नीयत, साफ-सुथरी छवि का ही नतीजा है कि जनता भी तेजी के साथ उनसे जुड़ रही है। यह जनता 2027 में श्री अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने को बिल्कुल तैयार है।

शिक्षक समाज, दिव्यांगजन, कर्मचारी संगठनों, उलेमाओं, बुनकरों, मंदिर के पुजारियों, आदिवासी समाज से लगायत तमाम ऐसे संगठन है जिन्होंने श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान कर उनके प्रति बढ़ते विश्वास पर मुहर लगाई है।

बिहार में अखिलेश चर्चा चली विशेष

बुलेटिन ब्यूरो

बिहार में मतदाता विशेष पुनरीक्षण अभियान में मतदाताओं के वोट काटे जाने के खिलाफ चल रही वोटर अधिकार यात्रा को ताकत देने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बिहार पहुंचे तो गोया यात्रा में बहार आ गई।

यह यात्रा श्री अखिलेश यादव के आने के बाद नई तरह की ऊर्जा से लबरेज हुई और

पूरे देश में एक संदेश चला गया कि अब बिहार विधानसभा चुनाव में INDIA गठबंधन की जीत सुनिश्चित है। श्री अखिलेश यादव ने बिहार पहुंचकर पीडीए को एकसूत्र में पिरो दिया।

बिहार में जिस तरह श्री अखिलेश यादव की यात्रा में भीड़ जुटी, स्वागत हुआ, वह बताता है कि देश स्तर पर गरीब-गुरबा, वंचित, शोषित समाज श्री अखिलेश यादव का मुरीद हो चुका है।

अपनी स्पष्ट नीति, INDIA गठबंधन को लगातार ताकत देने के कारण श्री अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय राजनीति के क्षितिज पर अहम मुकाम हासिल करते हुए सहयोगी दलों के बीच अलग पहचान बनाई है। यही वजह है कि बिहार दौरे के बाद श्री अखिलेश यादव राष्ट्रीय राजनीति के बड़े किरदार के रूप में लोकप्रिय हो गए हैं।

वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने के लिए श्री अखिलेश यादव 29 अगस्त को बिहार पहुंच गए। 30 अगस्त को श्री यादव बिहार के सिवान-छपरा-आरा में INDIA गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए। श्री अखिलेश यादव ने लोकसभा में नेता विरोधी दल राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ सिवान से आरा तक वोटर अधिकार यात्रा में लोगों का अभिवादन किया।

यात्रा के दौरान श्री यादव की झलक पाने, स्वागत करने वालों का जनसैलाब उमड़ा हुआ था। जगह-जगह श्री अखिलेश के स्वागत के लिए नौजवान, किसान, महिलाएं खड़ी हुईं थीं। श्री यादव ने यात्रा के दौरान मतदाताओं को उनके वोटर के अधिकार और भाजपा की साजिशों से जागरूक किया।

आरा में वोटर अधिकार यात्रा को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। वोटर अधिकार यात्रा को लेकर जनता में भारी जोश और उत्साह है। जनता भाजपा और उसके सहयोगी दलों को हमेशा के लिए सत्ता से बाहर कर देगी। इस बार बिहार भाजपा की हार लिखेगा। अभी लोकसभा चुनाव में हम लोगों ने अवध में भाजपा को हराया है। अब INDIA गठबंधन मगध में भाजपा को हराएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार की जनता को तेजस्वी यादव पर भरोसा है। तेजस्वी यादव जब बिहार की सरकार में थे, उन्होंने लाखों युवाओं को नौकरियां दीं। नौजवानों में उम्मीद जगायी। जनता को भरोसा है कि तेजस्वी यादव बिहार के युवाओं का पलायन नहीं होने देंगे। इस बार चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों का पलायन होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अवसरवादी पार्टी है। लोगों का इस्तेमाल करती है। भाजपा लोगों का इस्तेमाल करके उन्हें बर्बाद कर देती है। देश की जनता को उम्मीद रहती है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष कार्य करेगा। लोगों के वोट के अधिकार का संरक्षण करेगा। संविधान में दिए गए वोटर के अधिकार को बचाएगा लेकिन आयोग भाजपा से मिलकर कार्य कर रहा है। भाजपा ने चुनाव आयोग को अपना जुगाड़ आयोग बना लिया है। चुनाव आयोग भाजपा का जुगाड़ आयोग बन गया है।

बिहार में जो एसआईआर हो रहा है उससे सिरफिरा कोई दूसरा फैसला नहीं हो सकता है। यह सिरफिरा फैसला भाजपा के इशारे पर हुआ है। बिहार की जनता से वोट के अधिकार को छीना जा रहा है। जनता सब देख रही है।

श्री यादव ने कहा कि जनता चुनाव में भाजपा को इसका जवाब देगी। बिहार की जनता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकेगी। इस बार जब तेजस्वी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और अब नौजवानों का पलायन नहीं होगा, भाजपा का पलायन होगा। INDIA गठबंधन भाजपा, चुनाव आयोग और अधिकारियों

राष्ट्रीय जनता दल
वोटर अधिकार यात्रा
वोटर अधिकार यात्रा
वोटर अधिकार यात्रा

वोटर
अधिकार
यात्रा

के तीन तिगाड़ा को तोड़ने का काम करेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा बिहार की जनता जानती है, इसी बिहार ने पहले भी भाजपा का रथ रोका था। इस बार भी चुनाव में बिहार की जनता भाजपा का रथ रोक देगी। यह चुनाव वोट का अधिकार बचाने का चुनाव है। संविधान बचाने का चुनाव है। वोट का अधिकार बचेगा तो लोकतंत्र बचेगा। लोकतंत्र रहेगा तभी संविधान बचेगा। संविधान हम सब के लिए संजीवनी है। संविधान बचेगा तभी जनता के अधिकार बचेंगे। भाजपा पहले वोटर का अधिकार छीनेगी, फिर राशन का अधिकार छीनेगी। उसके बाद नौकरी का अधिकार छीन लेगी। भाजपा सब कुछ छीनकर जनता को सड़क पर लाना चाहती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमें भरोसा है कि बिहार की जनता अपने वोट के अधिकार और संविधान को बचाने के लिए एकजुट होकर INDIA गठबंधन को रिकार्ड मतों से जीत दिलाएगी। हम समाजवादी लोग अपने उत्तर प्रदेश के अनुभव के साथ तेजस्वी यादव की पूरी मदद करेंगे। चुनाव जीतकर तेजस्वी जी बिहार को विकास और खुशहालीके रास्ते पर ले जाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने किसानों, नौजवानों को बर्बाद कर दिया है। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। नौजवानों को रोजगार नहीं मिला। महंगाई बढ़ गई है। जनता को डराने वाली भाजपा आज कल अमेरिका और ट्रम्प से डरी हुई है। अमेरिका ने टैरिफ लगाकर हमारे कारोबारियों के व्यापार पर संकट पैदा किया है। भाजपा के लोग उस पर बात नहीं करते हैं।

पीडीए की बढ़ रही ताकत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की मुहिम रंग ला रही है और पीडीए समाज एकजुट होकर अपनी ताकत लगातार बढ़ा रहा है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के पीडीए समाज के 65 से अधिक कार्यकर्ताओं ने

23 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में मुलाकात कर एक स्वर में उत्तर प्रदेश में पीडीए सरकार बनाने के लिए 2027 के विधानसभा चुनाव में बिना शर्त समाजवादी पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी और अपनी जिन्दगी अपना दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरजीत सिंह खण्डसाल के नेतृत्व में आए ये सभी नेता अलग-अलग जिलों में अपना संगठन चलाते हैं। श्री अखिलेश यादव ने बिना शर्त समर्थन के लिए सभी नेताओं का आभार प्रकट किया।

वहीँ समाजवादी पार्टी में शामिल होने का सिलसिला भी जारी है। इसी क्रम में 24 अगस्त को समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए श्री मुखिया गुर्जर के नेतृत्व में मेरठ के भाजपा के कई प्रमुख नेताओं के अलावा तेलंगाना, मुजफ्फरनगर एवं अमेरिका के कई प्रतिष्ठित लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी में शामिल लोगों ने 2027 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने

तथा समाजवादी पार्टी की जीत के लिए हर प्रयास करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने विश्वास जताया कि इन साथियों के आने से समाजवादी पार्टी को मजबूती मिलेगी।

भाजपा छोड़कर मेरठ की मेयर पद की पूर्व प्रत्याशी श्रीमती दीपू मनोठिया बाल्मीकि, श्री विपिन मनोठिया, अमित प्रधान जाटव, विनीत मनोठिया तथा उमेश भारद्वाज समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। हैदराबाद तेलंगाना के श्री निर्मल गोयल, मीरापुर मुजफ्फरनगर के श्री समुद्र सेन जाटव पूर्व प्रधानाचार्य, मुजफ्फरनगर के ही श्री संजीव जाटव, अर्पित जाटव तथा हसनपुर अमरोहा के श्री निगम प्रधान ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लूट का गैंग है। इसने संस्थानों और संसाधनों पर कब्जा कर लिया है। भाजपा के झूठ की सीमा नही है। यह सबसे झूठी पार्टी है। लोगों के साथ अन्याय और उत्पीड़न भाजपा का एजेंडा है। इस सरकार में किसी को भी न्याय नहीं मिल रहा है।

भाजपा लोगों के अधिकार छीन रही है। भाजपा ने वोट की चोरी की। चुनावी प्रक्रिया पर डकैती डाली है। उन्होंने कहा कि आने वाला चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। यह एक बार फिर आजादी का चुनाव है। संविधान और अधिकार बचाने का चुनाव है।

श्री अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में सभी की भागीदारी रहेगी। सभी को न्याय और सम्मान मिलेगा। प्रदेश में अवरूद्ध हुए विकास के कार्य फिर से शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश और केन्द्र की भाजपा सरकार ने सब कुछ बर्बाद कर दिया है।

पीडीए समाज के जो 65 लोग सपा मुखिया से मिले उनमे श्री सतीश भारतीय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अपनी जिन्दगी अपना दल, गाजियाबाद, श्री राम आसरे पाल प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्र उदय पार्टी कानपुर, श्री केवट राम धनी बिन्द राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय मानव समाज पार्टी, श्री देवशरण यादव प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा दलित विकास महासंघ, श्री जीपी जायसवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधीयन पीपुल्स पार्टी लखनऊ, श्री साहू अक्षय भाई सलाहकार गांधीयान पीपुल्स पार्टी लखनऊ, श्री राजीव रत्न कश्यप राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी, श्री अब्दुल हलीम सलमानी, श्री श्रीकान्त साहू अध्यक्ष अति पिछड़ा समाज महासभा गोरखपुर, श्री चुन्नी लाल प्रजापति सदस्य केंद्रीय अध्यक्ष मंडल राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी अयोध्या, श्री अमोद राठौर एडवोकेट चेयरमैन कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एवं राईट काउन्सिंल महामंत्री राठौर सभा उप्र, श्री कांत गुप्ता साहू, डा तेजपाल तोमर, शिवा गुप्ता, अभिषेक यादव, रीता गुप्ता आदि मौजूद रहे।

श्री अखिलेश यादव के पीडीए के नारे का

समर्थन करते हुए उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के दिव्यांगजनों के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल ने 24 अगस्त को श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं व उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कई सुझाव भी दिए गए।

श्री अखिलेश यादव ने दिव्यांगजनों को आश्वस्त किया कि समाजवादी सरकार बनने पर दिव्यांगजनों को सरकारी नौकरियों में 4 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा और साथ ही ग्राम पंचायतों, नगरीय और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के लिए दुकानें उपलब्ध कराई जाएगी। घर के निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग भी दिया जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर दिव्यांगों को उनका हक और आरक्षण दिया जाएगा। विकलांग कल्याण आयोग का गठन भी होगा। पेंशन की राशि बढ़ाकर पेंशन का वितरण किया जाएगा। अस्पतालों और सरकारी बसों में विशेष सुविधा दी जाएगी। दिव्यांगों के कल्याण के लिए विशेष बजट रखा जाएगा। कृत्रिम अंगों और सहायक उपकरणों के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा।

24 अगस्त को ही डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर दिव्यांग छात्रों के शोषण के सम्बंध में ज्ञापन दिया।

रिक्शे वाले को अखिलेश से मिली मदद

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव लोगों के बीच इतने लोकप्रिय हो चुके हैं कि जो उनसे नहीं मिल पाता, वह उनकी फोटो चूमकर बातें करता है और पूछता है कि वह सरकार में कब आएंगे, कब गरीबों के अच्छे दिन आएंगे।

अलीगढ़ के वार्ड संख्या 74 के जीवनगढ़ मोहल्ले के रहने वाले मोहम्मद शकील पिछले 30 साल से हाथ रिक्शा चलाकर किसी तरह जिंदगी गुजर-बसर रहे थे। गरीबी में पले-बढ़े शकील अहमद औरों की तरह ही श्री अखिलेश यादव से बेपनाह मोहब्बत करते हैं।

शकील अगस्त महीने में एक दिन अलीगढ़ के जमालपुर पुल के पास खड़े थे कि उन्हें एक सपा नेता के वाहन पर सपा का झंडा और उसपर लगी श्री अखिलेश यादव की फोटो दिख जाती है। वह खुद को रोक नहीं पाते और झंडा पकड़कर पहले श्री यादव की तस्वीर को चूमते हैं और फिर बातें करने लगते हैं कि गरीब बहुत परेशान हैं, आप कब सरकार बनाएंगे, कब भाजपा को हटाएंगे।

किसी ने श्री अखिलेश यादव की फोटो चूमते और बातें करते हुए शकील का विडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। चंद दिनों में ही यह फोटो वायरल हो गई। श्री अखिलेश यादव ने भी यह वीडियो देखी और वह भावुक हो गए।

उन्होंने अलीगढ़ के सपा नेता अज्जू इशहाक से रिक्शा वाले को तलाशकर उनके पास लाने को कहा। अज्जू इशहाक ने पार्षद जावेद की मदद से रिक्शा चालक शकील को तलाश कर लिया और उन्हें लेकर दिल्ली पहुंचे जहां श्री अखिलेश यादव ने मुलाकात की।

श्री यादव ने शकील अहमद को एक नया ई-रिक्शा भेंट किया और कहा कि अब हाथ रिक्शा चलाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने और भी मदद की।

हर जोर जुल्म के टक्कर में PDA का नारा है

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में PDA पर जुल्म बढ़ता जा रहा है। PDA की नौकरियां खत्म हो रही हैं, आरक्षण को छीनने की साजिश की जा रही है। यही वजह है कि PDA समाज एकजुट हो रहा है और हर जोर जुल्म के खिलाफ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव आवाज बुलंद कर रहे हैं।

PDA के अधिकार-सम्मान के लिए श्री अखिलेश यादव का संघर्ष जारी है। श्री अखिलेश यादव के PDA के पक्ष में मुखर होने से भाजपा सरकार हिली हुई है। लोकसभा चुनाव में PDA ने हर जोर-जुल्म के खिलाफ जिस तरह भाजपा को सबक सिखाया था, 2027 में वह और मजबूती, एकजुटता के साथ भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने का संकल्पित दिख रहा है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर पीडीए के लिए आवाज बुलंद करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में पीडीए समाज के साथ लगातार अन्याय और उत्पीड़न हो रहा है। सरकार भेदभाव कर रही है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए आरक्षण को छीन रही है। भाजपा सरकार के एजेंडे में नौकरी, रोजगार, आरक्षण नहीं है। 69 हजार शिक्षक भर्ती में पिछड़े, दलित वर्ग के छात्रों का हक छीना गया।

पीड़ित अभ्यर्थी अपने हक के लिए भाजपा की डबल इंजन, ढाई इंजन, तीन इंजन, चार इंजन सबके पास गए लेकिन कहीं न्याय नहीं मिला। दुःखी होकर एक बहन ने अपने हाथ की चूड़ियां निकाल कर सरकार को भेज दी। अब PDA समाज कह रहा है कि भाजपा की सरकार जाएगी तभी नौकरी आएगी। 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को तभी न्याय मिलेगा जब पीडीए की सरकार आयेगी। तभी सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता पीडीए से जुड़ रही है। बदलाव के लिए जनता भाजपा सरकार के खिलाफ एकजुट हो रही है। पीडीए नारे के साथ जनता को जोड़ना है। भाजपा की अन्यायी, भ्रष्टाचारी सत्ता को उखाड़ फेंकना है। उन्होंने कहा कि देश में समाजवादी विचारधारा, सेकुलरिज्म के रास्ते और लोकतांत्रिक व्यवस्था से ही खुशहाली और समृद्धि आएगी। देश की संवैधानिक संस्थाओं को मजबूत करना होगा। भाजपा संस्थाओं और संसाधनों पर कब्जा कर रही है। भाजपा सत्ता से बाहर जाएगी तभी संस्थाएं मजबूत होंगी। तभी लोकतंत्र और संविधान बचेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अच्छे दिन का नारा देकर सत्ता में आई भाजपा ने पिछडे, दलितों का हक और सम्मान छीना है। आर्थिक भ्रष्टाचार के साथ आरक्षण में भी खिलवाड़ किया है। पूरा पीडीए समाज एकजुट होकर, एक दूसरे का साथ देकर भाजपा का सफाया करेगा।

प्रजापति समाज 2027 में पीडीए सरकार बनाएगा

बुलेटिन ब्यूरो

प्रजापति समाज ने नए जोश और ऊर्जा के साथ 2027 में पीडीए सरकार बनाने का संकल्प लिया है ताकि सामाजिक न्याय का रास्ता प्रशस्त हो। यह संकल्प 25 अगस्त को प्रजापति समाज के साथ पीडीए और महापुरुष सम्मान समारोह में लिया गया। सम्मान समारोह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने प्रजापति समाज के साथ अन्याय किया है। पीडीए नेताओं को झूठे मुकदमों में जेल भिजवाया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में लूट मचा रखी है। खनन की लूट मची है। उसने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए है। समाजवादी सरकार में तालाबों में प्रजापति समाज को पट्टे दिए थे उन्हें भाजपा सरकार ने निरस्त कर दिया है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर प्रजापति समाज के साथ न्याय किया जाएगा और उन्हें उनका सम्मान दिलाया जाएगा।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में आयोजित प्रजापति समाज के साथ पीडीए और महापुरुष सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि श्री अखिलेश यादव ने राजा दक्ष प्रजापति जी और मंडल कमीशन के चेयरमैन श्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल के चित्रों पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर श्री अखिलेश यादव ने सामाजिक न्याय राज की स्थापना करने के लिए सभी के सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा से सावधान रहना है। भाजपा धोखा देने वाली पार्टी है। समाजवादी पार्टी धोखा नहीं देती है। समाजवादी सरकार बनने पर प्रजापति समाज की भागीदारी होगी। उत्तर प्रदेश के निर्माण में प्रजापति समाज आगे रहेगा।

प्रजापति समाज मिट्टी को सोना बनाता है। इस नई व्यवस्था में प्रजापति समाज सामाजिक नींव को मजबूत बनाने का काम करेगा।

श्री यादव ने कहा कि श्री मोहम्मद आजम खां साहब, गायत्री प्रजापति, रमाकांत यादव, इरफान सोलंकी पर झूठे मुकदमे हैं। जब वोट की जरूरत थी तब मुख्यमंत्री जी ने गायत्री प्रजापति के परिवार को बुलाकर कहा कि वे समाजवादी पार्टी के खिलाफ वोट करें। सब केस वापस हो जाएंगे लेकिन उनको भी धोखा दिया। गायत्री प्रजापति को एक दिन जरूर न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना हो और आबादी के हिसाब से हक और सम्मान मिले।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव ने कहा कि प्रजापति समाज का इतिहास बहुत पुराना है। यह समाज भी पीडीए का अंग है। उन्होंने कहा कि पीडीए समाज को एकत्र करके श्री अखिलेश यादव ने सराहनीय कार्य किया है। सब एक होकर पीडीए समाज के घरों पर बुलडोजर चलाने वाली सरकार को हटाने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि फर्जी मुकदमों में फंसाने वालों और आरक्षण समाप्त करने की साजिश करने वालों को 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर करने का काम करना है। प्रजापति समाज का आने वाला भविष्य बहुत ही अच्छा होगा। प्रो रामगोपाल यादव ने प्रजापति समाज से अपील की कि 2027 में उनकी अंगुलियों का कमाल ईवीएम पर दिखना चाहिए।

सम्मान समारोह में प्रजापति समाज के वक्ताओं ने कहा कि प्रजापति समाज समाजवादी पार्टी के साथ है। समाजवादी पार्टी में उन्हें सम्मान और न्याय मिलता है। श्री अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में प्रजापति समाज के हित में कई निर्णय लिए थे। प्रजापति समाज एकजुट होकर 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए संकल्पित है।

प्रजापति समाज के सम्मेलन के संयोजक श्री रमेश प्रजापति एवं पूर्व मंत्री श्री दयाराम प्रजापति ने श्री अखिलेश यादव एवं प्रो रामगोपाल यादव का स्वागत किया।

इस अवसर पर कमलाकांत प्रजापति, हृदयनारायण प्रजापति, राम प्रकाश प्रजापति, अतुल प्रजापति, कुसुम प्रजापति, राजकुमार प्रजापति, राकेश प्रजापति, शिवनाथ प्रजापति, भूपेन्द्र प्रजापति, बृजेन्द्र प्रजापति, हरवीर प्रजापति, श्रीराम प्रजापति, मिथिलेश प्रजापति, श्रीमती कमल स्वरूपा प्रजापति, अमित प्रजापति, नरेन्द्र प्रजापति, पूरनमल प्रजापति, अक्षत राज प्रजापति, राम लाल प्रजापति, रीता प्रजापति, नीटू प्रजापति, अनिल प्रजापति, श्योनाथ प्रजापति, ओम प्रकाश प्रजापति, मेवा लाल प्रजापति आदि मौजूद रहे।

जनता से लगातार संवाद कर रहे अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद तो करते ही हैं, जनता के बीच भी जाकर उनका दुख-दर्द सुनते हैं। खुशियों में शामिल होते हैं। श्री अखिलेश यादव पहले राजनेता हैं जो जनता के बीच रहना और उनकी तकलीफों में साथ देने में कभी पीछे नहीं रहते। इसके लिए श्री अखिलेश यादव लगातार दौरे करते हैं और लोगों से भेंटकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को धार देने में जुटे रहते हैं।

दौरों के क्रम में श्री अखिलेश यादव 20 अगस्त को फिरोजाबाद जनपद के टुंडला में थे। जहां कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। 2027 में सरकार बनाने का संकल्प लिया और भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए श्री अखिलेश यादव से अपील की।

लोगों ने सपा मुखिया से कहा कि वे भाजपा सरकार से त्रस्त हो गए हैं। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार की मार ने उनकी कमर तोड़ दी है इसलिए भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकिए। श्री यादव ने लोगों की तकलीफें सुनीं और उनकी समस्याओं के लिए संघर्ष जारी रखने का भरोसा दिया।

श्री यादव का दौरे में पत्रकारों ने भी उनसे विभिन्न मुद्दों पर बात की। श्री अखिलेश यादव ने उनसे कहा कि भाजपा सरकार में किसानों की दुर्दशा हो रही है। भाजपा ने किसानों को झूठे सपने दिखाए। आज किसान को फसल के लिए यूरिया और अन्य खादों की सबसे ज्यादा आवश्यकता है लेकिन नहीं मिल पा रही है। सरकार किसानों

को खाद नहीं उपलब्ध करा पा रही हैं। किसानों पर लाठियां चलाई जा रही हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने किसानों की आय दुगना करने का भरोसा दिलाया था। किसानों की आय नहीं बढ़ी। किसान वहीं का वहीं खड़ा है। भाजपा सरकार में किसानों के आलू, मक्का, धान, सरसों और अन्य फसलों की सही कीमत भी नहीं मिल रही है।

2022 के विधानसभा चुनाव में काटे गए वोटरों के नामों के चुनाव आयोग को भेजे शपथ पत्रों को लेकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अब यह लड़ाई चुनाव आयोग और डीएम के बीच में है। अभी तक चुनाव आयोग कह रहा था कि उन्हें डिलीट वोटरों के नामों का कोई शपथ पत्र नहीं मिला है जबकि जिलाधिकारी कह रहे हैं कि उन्हें मिला है। हम लोगों ने 18 हजार वोटरों का जो शपथ पत्र दिया है, उस पर चुनाव आयोग और जिलाधिकारियों को तय करना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों ने नारा दिया है कि भाजपा के लोग डकैती छोड़ दें। पत्रकारों समेत सभी लोगों ने देखा कि रामपुर में लोगों को वोट डालने के लिए बाहर नहीं निकलने दिया। कुंदरकी उपचुनाव में जितना वोट पड़ा उसका 80 फीसदी वोट भाजपा का हो गया। चुनाव में चुनाव आयोग, भाजपा और जिला प्रशासन की तिकड़ी लोकतंत्र को कमजोर कर रही है।

उन्होंने कहा कि वोटिंग का रिकॉर्ड देने के मामले में भाजपा जो कहेगी चुनाव आयोग वही करेगा। भाजपा को डर है कि उपचुनाव में पुलिस ने प्राइवेट ड्रेस में जो वोट डाला है, उसकी पहचान हो जाएगी इसलिए वोट किसने डाला है, उसकी रिकॉर्डिंग नहीं मिल रही है।

एक सवाल के जवाब में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र में जब तानाशाह घबराते हैं तो अपनी कुर्सी बचाने के लिए तो मनमानी भरे फैसले लेते हैं पर इसके बावजूद दुनिया के तानाशाह अपनी कुर्सी नहीं बचा पाए।

6 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कन्नौज में थे। उन्होंने वहां पुनगरा ग्राम में संविदा बिजली कर्मी स्वर्गीय बृजेश राठौर के घर पहुंच कर श्रद्धांजलि एवं शोक संवेदना प्रकट की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बृजेश राठौर के साथ अन्याय हुआ है। बृजेश राठौर की जान लापरवाही से गई। इस परिवार को न्याय मिलना चाहिए। लापरवाह और दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई होती तो परिवार के लोग संतुष्ट होते लेकिन परिवार के साथ अन्याय हुआ है।

परिवार की मांग है कि जिसकी लापरवाही की वजह से बृजेश राठौर की जान गई है उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस परिवार पर लगे झूठे मुकदमें वापस हों। दबाव बनाने और वसूली के लिए तमाम लोगों के खिलाफ अज्ञात में मुकदमा दर्ज

हुआ है, वह वापस होना चाहिए।

स्वर्गीय बृजेश राठौर के परिवार की दो लाख रुपये से आर्थिक मदद की घोषणा करते हुए श्री अखिलेश यादव ने भाई और पत्नी को नौकरी देने की मांग की।

श्री अखिलेश यादव ने कन्नौज के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भरखरा में निवासी अग्निवीर शहीद सौरभ पाल के पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से संवेदना प्रकट की और शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री अखिलेश यादव ने इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के ही ग्राम बघेलेपुरवा में स्वर्गीय राम नरेश प्रधान के परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और श्रद्धांजलि अर्पित की।

7 सितंबर को श्री अखिलेश यादव इटावा दौरे पर रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसान, नौजवान, मजदूर, कारोबार विरोधी है। भाजपा की गलत नीतियों के कारण हर वर्ग परेशान और तबाह हो गया है। भाजपा सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने, नौजवानों की नौकरी, रोजगार और महंगाई को लेकर जनता से झूठ बोला। सरकार ने कहा था कि जीएसटी लागू होने से कारोबार आसान होगा लेकिन जीएसटी दुनिया का इकलौता ऐसा कानून है जिसमें सबसे ज्यादा संशोधन हुए है। जीएसटी में तमाम संशोधनों के बाद भी फिर बदलाव करना पड़ा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अब सवाल यह है कि जीएसटी लागू होने से लेकर अब तक सरकार ने किसको मुनाफा कमवाया। सरकार की गलत नीतियों से महंगाई बढ़ी। हर चीज के दाम बढ़े। वर्षों तक जनता से वसूली हुई। इसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। जीएसटी का स्लैब कम होने से भी महंगाई कम नहीं होगी। क्योंकि जिनको

मुनाफाखोरी की आदत पड़ गयी है वे कीमतें कम नहीं करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के नेता अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ पर नहीं बोल रहे हैं। ऐसा लग रहा है भाजपा नेताओं के मुंह पर भी अमेरिका का टैरिफ लग गया है। अमेरिका के भारी टैरिफ लगाने से भदोही का कारपेट, मुरादाबाद का ब्रास का एक्सपोर्ट, मेरठ, सहारनपुर और अन्य जगहों से जो निर्यात होता था उसका नुकसान होना शुरू हो गया है। इससे कारीगर बेरोजगार होंगे, अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अगर अमेरिका अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है तो भारत सरकार को भी अपनी अर्थव्यवस्था बचाने के लिए फैसला लेना चाहिए। भाजपा सरकार में स्वदेशी का नारा केवल बातों से है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सोच वर्चस्ववादी है। वह पीडीए समाज का उत्पीड़न और शोषण करती है। भाजपा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की नकारात्मक राजनीति करती है। भाजपाइयों के मन में पीडीए के लिए कूट-कूट कर दुर्भावना भरी है। भाजपा सरकार जाएगी तभी महंगाई कम होगी, विकास होगा और गरीबों को इलाज मिलेगा। अन्याय, अत्याचार खत्म होगा।

चीन परस्ती भारत के लिए खतरनाक

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने हमेशा ही भारत की सरकारों को आगाह किया है कि चीन से दोस्ती भारत के हित में नहीं है। पहले समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्री मुलायम सिंह यादव और अब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भारत की चीन परस्ती को लेकर चिंता जता रहे हैं।

देश भी जानता है कि चीनी सामानों ने भारत के बाजारों पर एक तरह से कब्जा जमा लिया है जोकि स्वदेशी पर चोट है। देश के उद्योगपतियों, व्यापारियों और किसानों के लिए चीनी उत्पाद लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं मगर स्वदेशी का नारा लगाने वाली भाजपा सरकार ने चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाकर देश को आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है।

समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर सरकार को आगाह किया है कि अमेरिका के टैरिफ के जवाब में चीन परस्ती देश के लिए संकट पैदा करने वाली होगी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा-आरएसएस ने भारत की विदेश नीति को बर्बाद कर दिया है। दुनिया के तमाम मित्र देशों ने साथ छोड़ दिया है। अभी आपरेशन सिंदूर के दौरान पड़ोसी देश भी साथ नहीं खड़े हुए। तब हमलावर पाकिस्तान को चीन हर प्रकार की मदद कर रहा था।

जिस अमेरिका से बड़ी दोस्ती थी उसने व्यापार पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के साथ ही और कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी दी है। घबराई भाजपा सरकार अब चीन की शरण में पहुंच गई है जिसका इतिहास भारत से दुश्मनी का ही रहा है।

श्री यादव ने कहा कि हिन्दी चीनी भाई-भाई के नारे का हश्र हम 1962 में देख चुके हैं। उस लड़ाई में हमारे 4 हजार सैनिक अफसर कैद कर लिए गए थे जिन्हें तमाम यातनाएं दी

गईं थीं। इससे पूर्व 1950 में चीन ने तिब्बत पर कब्जा कर लिया था।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चीन की निगाहें हमेशा भारत भूमि पर रही है। उसने रिजंगला में भारत के वार मेमोरियल को तोड़ दिया। फाइव फिंगर छीन लिए। पेंगॉग लेक पर कब्जा कर लिया। भारत की हजारों वर्ग मील जमीन उसके कब्जे में है। चीन-भारत के अरूणाचल प्रदेश के बड़े हिस्से को भी अपना बताता है। गलवान घाटी और अन्य महत्वपूर्ण सैनिक क्षेत्रों पर भी उसने अपनी सैन्य गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई है। ऐसे में भाजपा सरकार का यह कहना कि 'नहीं कोई घुसा था, न कोई घुसा है' का क्या अर्थ है? फिर दोनों देशों में वार्ताएं किस लिए हो रही हैं?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारत के व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सामने बंदी की तलवार लटक रही है। निर्यात ठप है। आयात बहुत महंगा हो गया है। श्री यादव ने कहा कि भारत अमेरिका से व्यापार में फायदा उठा रहा था जबकि चीन से व्यापार में भारत को घाटा हो रहा है। चीन के सामान से भारत के बाजार पहले से पटे पड़े हैं अब नई डील से तो उसका भारतीय बाजार में पूरा दखल हो जाएगा। चीनी सामानों का आयात बढ़ता जा रहा है। भारतीय उद्योगों की चीन पर निर्भरता है। ऐसे में स्वदेशी का संकल्प कितना मायने रखेगा?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चीन विस्तारवादी देश हैं उसकी महत्वाकांक्षा अपनी सीमाओं के लगातार विस्तार की है।

श्री अखिलेश यादव ने अमेरिका के टैरिफ की वजह से उत्तर प्रदेश के निर्यात पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव और व्यापारियों के होते नुकसान पर भी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने निर्यातकों को संबोधित एक पत्र में कहा है कि उत्तर प्रदेश के निर्यातक तबाही के कगार पर खड़े हैं। एक्सपोर्ट्स का पेमेंट साइकल बिगड़ गया है। निर्यातकों के सप्लायर्स और वेंडर्स अलग से परेशान हैं।

जिस अमेरिका से बड़ी दोस्ती थी उसने व्यापार पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के साथ ही और कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी दी है। घबराई भाजपा सरकार अब चीन की शरण में पहुंच गई है जिसका इतिहास भारत से दुश्मनी का ही रहा है

ऐसे समय में सरकार सामने आए और ओडीओपी के तहत आने वाले सभी उत्पादों को विशेष राहत प्रदान करे व अन्य उत्पादों को भी सुरक्षा-कवच प्रदान करे जिससे कि वे विदेशी पाबंदियों से अपने को बचा पाएं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो लाखों निर्यातकों का काम-कारोबार ठप हो जाएगा और करोड़ों लोग बेरोजगार हो जाएंगे। इससे प्रदेश में बेरोज़गारी की समस्या और भी विकराल रूप से लेगी।

श्री अखिलेश यादव ने निर्यातकों से कहा कि ये समय हर भेद को भूलकर एकजुट होकर, बात-बात पर दबाव बनाकर चंदा वसूलने वाली भाजपा सरकार के सामने अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से रखने और मनवाने का है। हम आपके साथ हैं क्योंकि ये लाखों परिवारों की आजीविका और जीवनयापन का विषय है। साथ ही ये उत्तर प्रदेश में उद्योग-कारोबार व निवेश के भविष्य का भी सवाल है।

उन्होंने कहा कि सरकार के पास ऐसे कई उपाय हैं जिनसे वह इस टेरिफाइंग टैरिफ इमरजेंसी के बुरे असर से प्रदेश के निर्यातकों को बचाने के लिए मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि कमी कोष की नहीं, सोच की है।

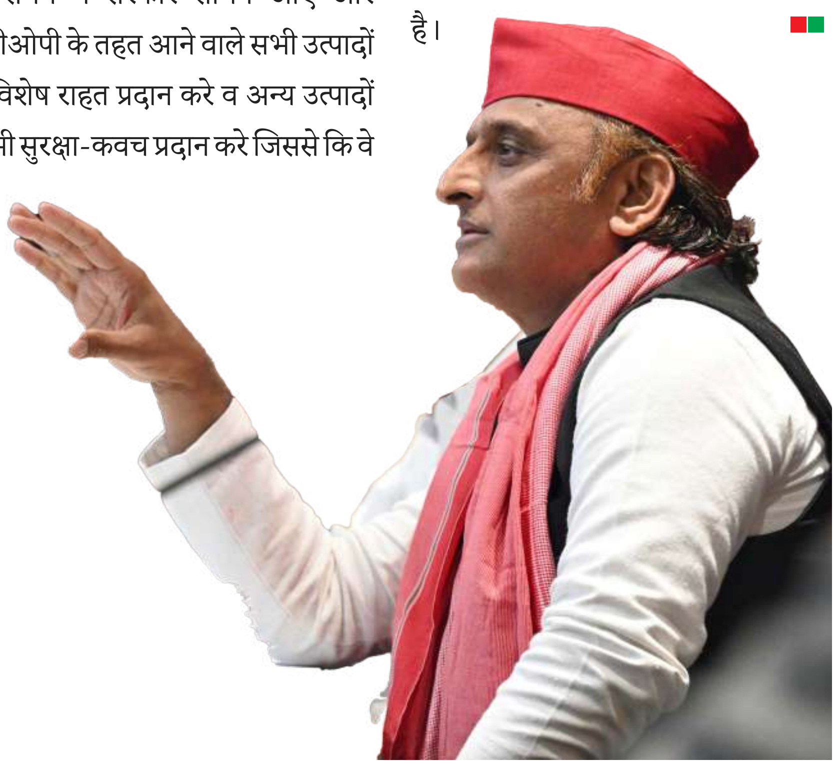

कूटनीति-2

अनिश्चितता के भंवर में विदेश नीति

प्रोफेसर सुधीर पंवार

पिछले 11 वर्षों में 90 से अधिक विदेश यात्राओं, प्रायोजित विदेशी पीआर इवेंट्स, विभिन्न मुद्राओं में राष्ट्राध्यक्षों के साथ सार्वजनिक की गई तस्वीरों, गोदी मीडिया द्वारा ग्लोबल नेता की गढ़ी गई छवियों के बावजूद 'मोदी डोक्टराइन' ने विश्व पटल पर भारत की छवि को कमजोर किया है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद उभरे दो ध्रुवीय शक्ति केंद्रों के बीच भारत ने स्वायत्तता का अधिकार रखते हुए विदेश नीति में न केवल गुट निरपेक्ष रहने का निर्णय लिया बल्कि समान विचारधारा के राष्ट्रों को साथ लेकर उसे विकल्प के रूप में विकसित किया तथा अन्तरराष्ट्रीय मंचों पर राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए सफल कूटनीतिक प्रयास भी किए। केंद्र में अलग-अलग विचारधारा व प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व में बनी सरकारों ने भी सिद्धांत रूप में गुट निरपेक्षता को ही भारतीय विदेश नीति का आधार बनाए रखा। स्वतंत्रता के बाद भारत ने चीन से 1962 तथा पाकिस्तान से 1965 एवं 1971 में युद्ध लड़े तथा सामरिक संतुलन के लिए परमाणु परीक्षण भी किए।

वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार ने बदली वैश्विक परिस्थितियों में गुट निरपेक्ष नीति की जगह बहुपक्षीय (Multi Alignment) नीति लागू की, जिसमें कई गुटों/राष्ट्रों के साथ एक ही समय पर एक या

विभिन्न मुद्दों पर राष्ट्रीय हित साधने के लिए संधि/गठजोड़ किया जा सकता है, इस नीति का प्रत्यक्ष/प्रच्छन्न उद्देश्य वैश्विक पटल पर अपनी अपरिहार्यता एवं श्रेष्ठता लगातार बनाए रखना है।

भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी के विदेशी दौरों से भारत में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए उनकी प्रभावशाली वैश्विक नेता की छवि गढ़ने के प्रयास किए तथा रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने के नैरेटिव पर जनता से वोट मांगे। मोदी सरकार की विदेश नीति की पहली विफलता जून 2020 में गलवान में चीनी सैनिकों द्वारा भारतीय सीमा के अतिक्रमण तथा हिंसक झड़पों में कम से कम 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने तथा प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया 'न कोई घुसा था, ना कोई घुसा हुआ है' से सामने आई।

अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमला तथा उसके बाद भारत द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई 'आपरेशन सिंदूर' पर आई वैश्विक प्रतिक्रियाएं विशेषकर चीन एवं तुर्की से पाकिस्तान को मिला टेक्नॉलाजी एवं रणनीतिक समर्थन, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा युद्ध विराम कराने में स्वयंभू मध्यस्थता की घोषणा तथा पाकिस्तान के फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर के स्वागत मे व्हाइट हाउस में लंच का आयोजन तथा रूस से तेल ख़रीदने पर प्रतिशोधात्मक 25% टैरिफ़ सहित भारत से होने वाले आयात पर 50% टैरिफ मोदी सरकार की विदेश नीति की असफलताओं की फ़ेहरिस्त को लंबी करती है।

अमेरिका द्वारा 50% टैरिफ़ के बाद शंघाई सहयोग संगठन (SCO) से रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीरों तथा ब्रिक्स समिट में प्रधानमंत्री मोदी की अनुपस्थिति स्पष्ट संकेत है कि भारतीय विदेश नीति में अमेरिका एवं चीन को लेकर मंथन चल रहा है तथा अनिश्चय की स्थिति है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) सम्मेलन के दौरान तिनजिंग में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में व्यापार एवं निवेश बढ़ाने तथा व्यापार घाटा कम करने के लिए राजनीतिक एवं रणनीतिक दिशा से आगे बढ़ने पर ज़ोर दिया। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने अमेरिका द्वारा भारत पर 50% टैरिफ़ लगाने की आलोचना करते हुए भारतीय कंपनियों को चीन में निवेश करने का निमंत्रण देते हुए उम्मीद जताई की भारत चीनी कंपनियों को निष्पक्ष, न्यायपूर्ण और गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार वातावरण प्रदान करेगा।

अमेरिका और चीन के बदले रुख के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक ओर आत्मनिर्भरता की बात करते हैं वहीं उनके आर्थिक व सामरिक सलाहकार चीन के साथ व्यापार व निवेश बढ़ाने के लिए समझौते करने के स्पष्ट संकेत दे रहे हैं

भारतीय विदेश नीति के चीन के प्रति बढ़ते झुकाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने संसद में तथा सार्वजनिक मंचों पर चेतावनी देते हुए सवाल किए कि क्या भारत-चीन सीमा पर 2020 से पहले की स्थिति बहाल हो गई है, क्या मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में कुमाऊं रेजीमेन्ट के बहादुर सैनिकों का रेजांग ला स्मारक सुरक्षित है, क्या आपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान की सामरिक मदद नहीं की थी?

उन्होंने कहा कि तिब्बत से लेकर गलवान तक चीन का इतिहास धोखे का इतिहास रहा है। डा राममनोहर लोहिया तथा भूतपूर्व रक्षामंत्री श्री मुलायम सिंह यादव ने चीन से ख़तरे की चेतावनी दी थी जो बाद मे सच हुई।

चीफ आफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने भी चीन के साथ सीमा विवाद को सबसे प्रमुख राष्ट्रीय चुनौती स्वीकार किया है, द्वितीय विश्वयुद्ध की 80वीं वर्षगांठ पर पुतिन, किम जोंग उन, शहबाज़ शरीफ़ सहित 25 राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति में बीजिंग में आयोजित सैन्य परेड चीन की सामरिक शक्ति की श्रेष्ठता की घोषणा है।

अमेरिका और चीन के बदले रुख के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक ओर आत्मनिर्भरता की बात करते हैं वहीं उनके आर्थिक व सामरिक सलाहकार चीन के साथ व्यापार व निवेश बढ़ाने के लिए समझौते करने के स्पष्ट संकेत दे रहे हैं।

वर्ष 2024-25 में भारत चीन का व्यापार 127.7 अरब डालर था जिसमें भारत से निर्यात केवल 14.25 अरब डालर था जबकि भारत में चीन का निवेश व्यापार का केवल 0.3% है, इसका सीधा सा अर्थ है कि चीन भारत से न तो कुछ ख़रीदना चाहता है

और न ही भारत में पूंजी निवेश व टेक्नोलॉजी का हस्तांतरण चाहता है।

चीन से आयात की जाने वाली प्रकिया व वस्तुओं से स्पष्ट है कि हमारे उद्योग चीन पर निर्भर हो गए हैं। चीन से भारत में सीधे उपयोग करने वाली वस्तुओं का आयात कुल आयात का केवल 6.8% है, वहीं मध्यवर्ती और कैपीटल गुड्स क्रमशः 70.9% और 22.3% है।

भारतीय उद्योगों को अपने उत्पादन को सुनिश्चित करने के लिए चीनी सामानों की आवश्यकता है चाहे वह इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल या ऑटोमोटिव स्पेयर पार्ट्स हों या दवा और वैक्सीन बनाने के लिए कच्चा माल हो या कंप्यूटर पार्टस। इससे स्पष्ट है कि भारत जिन वस्तुओं का पश्चिमी देशों को निर्यात करता है उनके उत्पादन के लिए भी वह चीन पर निर्भर है।

चीन के लिए व्यापार अब कूटनीतिक हथियार भी है। भारत और अमेरिका में बढ़ते संबंधों के बीच चीन ने भारत को बैट्री से चलने वाली कारों के पुर्जे, रासायनिक उर्वरक, दवाइयों के लिए न केवल कच्चे माल की सप्लाई कम की बल्कि उसके आयात के लिए लाइसेंस की प्रक्रिया भी जटिल बना दी, जिसके कारण विदेश मंत्री को चीन यात्रा तथा विदेश मंत्री से वार्ता करनी पड़ी थी।

अमेरिका द्वारा 50% टैरिफ़ लगाने से पहले भारत व अमेरिका के आर्थिक व कूटनीतिक रिश्ते चीन की तुलना में काफ़ी बेहतर थे। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार पिछले दशक में तेजी से बढ़ा, 2024 में व्यापार 131.84 अरब डालर से अधिक का रहा जिसमें भारत का निर्यात 86.51 अरब डालर तथा आयात 45.33 अरब डालर था, जो चीन से उलट स्थिति है। कृषि उत्पाद एवं इलेक्ट्रॉनिक्स पर भारत 15 से 20% टैरिफ़ लगाता है जबकि अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर औसत 2.5 से 3% टैरिफ़ लगाता है। भारत द्वारा अमेरिका को किए जा रहे निर्यात में जेनेरिक दवाएं, आभूषण, टेक्सटाइल, चमड़े का सामान इंजीनियरिंग गुड्स आदि हैं जबकि आयात में विमान, मशीनरी, ऊर्जा उत्पाद है।

अमेरिका द्वारा लगाए गए 50% टैरिफ़ के प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगे हैं। श्रम आधारित क्षेत्रों जैसे

अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ़ के कारण भारत को वार्षिक 25-30 अरब डालर का घाटा होगा। भारत सरकार जीएसटी दरों में सुधार, यूरोपियन यूनियन के साथ मुक्त व्यापार तथा आत्मनिर्भरता से इस घाटे को पूरा करने का दावा कर रही है

टेक्सटाइल, चमड़ा, आभूषण, साधारण टेक्नोलॉजी उद्योगों पर सबसे पहले और सबसे अधिक प्रभाव होगा जिससे 1 करोड़ नौकरियां जा सकती हैं।

भदोही के कालीन उद्योग, तिरूपुर के होजरी व रेडीमेड उद्योग, कानपुर के चमड़ा उद्योग तथा सूरत के हीरे एवं आभूषण उद्योग में अभी से प्रभाव दिखने लगा है, आर्डर कैंसिल हो रहे हैं, श्रमिक बेरोजगार हो रहे हैं। इन कम्पनियों को आपूर्ति चेन से जुड़े उद्योगों पर भी प्रभाव होगा, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने IT आउटसोर्सिंग पर भी टैक्स लगाने की घोषणा की है जिससे 300 अरब डालर के उद्योग पर प्रभाव होगा।

एक अनुमान के आधार पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ़ के कारण भारत को वार्षिक 25-30 अरब डालर का घाटा होगा। भारत सरकार जीएसटी दरों में सुधार, यूरोपियन यूनियन के साथ मुक्त व्यापार तथा आत्मनिर्भरता से इस घाटे को पूरा करने का दावा कर रही है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह अपर्याप्त है तथा इससे भारत में उद्योग एवं रोजगार प्रभावित होंगे जो पहले से ही संकट में है।

मोदी सरकार द्वारा पिछले दशक में अपनाई गई पीआर व फोटो आधारित कूटनीति ने भारतीय विदेश नीति के सामने इधर कुंआ उधर खाई की स्थिति उत्पन्न कर दी है लेकिन पिछले अनुभवों एवं विस्तारवादी नीति के चलते चीन अमेरिका का विकल्प नहीं हो सकता।

व्यक्तिवाद, सांप्रदायिकता एवं जुमलेबाजी की राजनीति ने हमें इस स्थिति में पहुंचा दिया है कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारी तुलना चीन से हो रही है, चाइना प्लस तो छोड़िए हमारे सामने यह तय करने की चुनौती है कि हमें अमेरिका या चीन में किसकी शर्तें माननी है। लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति की कड़वी सच्चाई है जब तक आपके पास अपनी बातें मनवाने की ताक़त नहीं होती तब तक आपकी दोस्ती भी सच नहीं होती।

(लेखक योजना आयोग के पूर्व सदस्य एवं विभागाध्यक्ष लखनऊ विश्वविद्यालय हैं)

हिंदी समाचार / देश

क्या भारत-चीन फिर बन रहे दोस्त? खाद, रेयर अर्थ और टनल मशीन सप्लाई पर चीन का बड़ा वादा

भारत-चीन रिश्तों में नरमी के संकेत मिले हैं. बीजिंग ने भारत को खाद (Urea, NPK, DAP), Rare Earth Minerals और Tunnel Boring Machines (TBM) की सप्लाई फिर से शुरू करने का आश्वासन दिया. विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वांग यी की मुलाकात में सीमा विवाद टालकर आर्थिक सहयोग पर जोर दिया गया. अमेरिका की नीतियों को चुनौती मानते हुए दोनों देशों ने संवाद बढ़ाने पर सहमति जताई. सवाल यह है कि क्या यह 'जरूरत की दोस्ती' लंबे समय तक टिक पाएगी?

क्या दोस्ती में दगा दे रहा चीन? ऊपर से मीठी-मीठी बातें और पीछे से कर दिया यह खेल

Foxconn Engineers Recall: एक बार फिर फॉक्सकॉन को भारत में काम कर रहे चीनी इंजीनियरों को वापस उनके देश भेजना पड़ा है। इस बार भी 300 चीनी इंजीनियर्स को वापस भेजा गया है।

Hindi News ▸ India News ▸ amid coming close with China, new threat arisen how India foiling Dragon move fears wat

इधर दोस्ती, उधर टेंशन दे रहा चीन; फिर ड्रैगन की चाल भारत कैसे कर रहा फुस्स? PMO में ...

अनुमान है कि चीन इस बांध के जरिए 40 अरब घन मीटर पानी रोक लेगा। इससे भारत को मिलने वाला पानी लगभग 1/3 कम हो जाएगा। इसका असर खासकर गर्मियों में दिखेगा। जब तापमान बढ़ेगा तो भारत का एक बड़ा भू-भाग बंजर हो...

HINDI NEWS NATIONAL

भारत-चीन की दोस्ती क्यों कराना चाहता रूस? RIC को फिर से एक्टिव कराने में जुटे पुतिन

चीन के आगे सरेंडर क्यों!

अरविन्द मोहन
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार

बहुत स्पष्ट आदर्शों और मूल्यों पर आधारित भारत की विदेश नीति को कभी कमजोर दुनिया के देश तो आदर्श मानते ही थे मजबूत देश भी आदर देते थे और बुनियादी नीतियों का सम्मान करते थे। अब यह बात भी कही जा सकती है कि इन नीतियों का आधार हमारे राष्ट्रीय आंदोलन के समय तय हुआ था और कांग्रेस के विदेश विभाग का प्रभारी मंत्री रहते हुए डा राममनोहर लोहिया ने उसे ठोस रूप दिया था।

इस नीति को भारत ने अस्सी के दशक तक चलाया और भारत और उसके प्रधानमंत्री की गिनती दुनिया को प्रभावित करने वालों में होती थी। पंडित नेहरू जैसा बाहरी सम्मान इंदिरा गांधी या मोरारजी देसाई का नहीं था लेकिन उनसे भी सभी डरते थे, उनकी राय का सम्मान करते थे क्योंकि उन्होंने विदेश नीति के जरिए भारत के हितों को काफी

आगे किया था, उसके विरोधियों को पस्त किया था।

भारत की कमजोरियों को दूर करने की भी उन्होंने कोशिश की थी। आज ठीक उलटी स्थिति आ गई। यही सरकार बीच बीच में स्वदेशी का नारा लगाती रही और यही विदेश नीति में सीधे चीन के आगे समर्पण कर चुकी है। चीन से हमारा व्यापार घाटा सौ बिलियन डालर तक पहुंच गया है। और अब अमेरिका से मिले झटकों के बाद चीन से सौदों की बाढ़ आ गई है।

स्वदेशी हमारे राष्ट्रीय आंदोलन का केन्द्रीय मुद्दा था और खादी समेत अनेक आंदोलनों से इसे आगे बढ़ाया गया। तब भारत विश्व गुरु या दुनिया की न जाने कौन से नंबर की आर्थिक शक्ति बनने का दावा नहीं करता था। और न तब विदेशों में दिखावटी सम्मान पाकर देश की राजनीति में उसका इस्तेमाल एक व्यक्ति का प्रचार और वोट बढ़ाने के लिए किया जाता था।

अमेरिका या ब्रिटेन के चुनाव में दखल देकर किसी को जितवा-हरवा देने का भ्रम भी हमारे नेताओं को नहीं था। विदेश नीति का मतलब दूसरे देशों से कुछ बुनियादी उसूलों के आधार पर दोस्ती रखना और अपने देश के हितों की रखवाली और आगे बढ़ाने का काम था। जब से विदेश नीति के केंद्र में देशहित की जगह नरेंद्र मोदी का हित आ गया है, विदेश नीति कहीं है भी इसका पता नहीं है।

जब से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा जीतने के लक्षण दिखने लगे थे और मोदी भक्त हवन-यज्ञ से लेकर सारे कर्म करके उनकी जीत की कामना करने लगे थे तभी से उनकी जीत से भारत के हितों को खतरा माना जाने लगा था। बड़बोले ट्रम्प कोई काम बहुत छुपाकर नहीं करते। चुनाव प्रचार के समय ही उन्होंने वह सब कहना शुरू कर दिया था जिससे आज दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है।

जब उन्होंने सचमुच में वही फैसले लेने शुरू किए तो हमारी सरकार के हाथ पांव फूल गए। लगता है कि कोई वायदा निभाने में ना नुकर हुआ जिससे नाराज ट्रम्प ने भारतीय निर्यात पर पचास फीसदी सीमाशुल्क का जुर्माना ठोंक दिया। इस बीच पहलगाम कांड भी हुआ और बालाकोट-पुलवामा को दोहराकर राष्ट्रभक्ति के नाम पर वोट बटोरने

की नीति दोहराने की कोशिश भी।

इसमें ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने दखल देकर युद्ध-विराम कराया। या किसी अन्य कारण से भारत ने कार्रवाई रोकी, यह मामला भी भारत अमेरिका संबंध ही नहीं पूरी विदेश नीति को ध्वस्त करने वाला साबित हुआ। आतंकवाद से सीधे जुड़ाव दिखाकर भी पाकिस्तान को अमेरिका, चीन, रूस और अनेक देशों का साथ मिला, मोटा कर्ज मिला तथा यूएन की ऊंची गद्दी मिली। दूसरी ओर एक भी देश ने हमारी कार्रवाई का समर्थन नहीं किया जबकि 26 निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या हुई थी।

दुनिया में घटनाएं अपने हिसाब से चलती हैं और कभी हमारे अनुकूल होंगी तो कभी प्रतिकूल। लेकिन हमारी विदेश नीति को देशहित के हिसाब से सतत काम करना होता है। अचानक हुए युद्धविराम के सवाल ने ट्रम्प और मोदी को आमने सामने कर दिया। मोदी जी को एक बार भी यह कहने की हिम्मत नहीं हुई कि युद्धविराम को लेकर ट्रम्प झूठ बोल रहे हैं जबकि ट्रम्प ने दर्जनों बार बहुत साफ शब्दों में कहा कि युद्धविराम उन्होंने कराया। इस टकराव या चिढ़ में उन्होंने सीमा शुल्क का सवाल उठाया जिसे वे अमेरिकी अर्थव्यवस्था का प्रभुत्व वापस करने का अपना मंत्र बताते रहे हैं।

अमेरिकी फैसले और धमकी का सारी दुनिया ने अलग अलग तरह से जवाब दिया और वियतनाम, कंबोडिया जैसे छोटे देशों ने अमेरिकी माल पर कर घटाकर अपने निर्यात को बचा लिया या बढ़ाने का अवसर पा लिया। दूसरी ओर चीन और यूरोपीय देशों ने जवाबी कर-वृद्धि का मूड दिखाकर अमेरिका को झुका दिया।

अब वह मजबूत अमेरिका विरोधी जमावड़ा बनाने में लगा है और हम उसकी शरण में पहुंच गए हैं। मोदी सरकार उस चीन और रूस के आगे सरेंडर की मुद्रा में आ गए जिन्होंने आपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का साथ दिया। चीनी रक्षा उपकरणों का इस्तेमाल भी भारत के खिलाफ हुआ था।

अमेरिकी फैसले और धमकी का सारी दुनिया ने अलग अलग तरह से जवाब दिया और वियतनाम, कंबोडिया जैसे छोटे देशों ने अमेरिकी माल पर कर घटाकर अपने निर्यात को बचा लिया या बढ़ाने का अवसर पा लिया

यह रेखांकित करना जरूरी है कि समाजवादी धारा के लोग सदा से चीन की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा को लेकर चेतावनी देते रहे हैं। हमारे चीन, रूस और पाकिस्तान वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन में जाने का मतलब अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान और भारत वाले समांतर अंतरराष्ट्रीय मंच को त्यागना।

भारत तिबारा उस चीन के आगे गिड़गिड़ाते हुए खड़ा हुआ है जिसने अमेरिकी चुनौती के आगे अपना कद बढ़ाया है और भारत की एक भी शिकायत दूर नहीं की है।

मामला सिर्फ राष्ट्रहित की जगह एक व्यक्ति के अहंकार और प्रचार-प्रसार की भूख का नहीं है। हर जगह गले लगना, बेवजह ठहाके लगाना और हर किसी के आगे हाथ फैलाना कूटनीति नहीं होती। अगर नेताओं के लिए भी शिष्टाचार के नियम हैं और तोड़े जाते हैं तो राष्ट्र-हित ही कारण होता है, किसी का चेहरा चमकाने के लिए नहीं।

अगर हमारी मीडिया ढूंढकर मोदी जी की प्रमुखता बताने वाले फ्रेम लाती है तो पाकिस्तानी मीडिया अपने प्रधानमंत्री के लिए और चीन अपने नेता के लिए इस तरह की तस्वीर सामने करता है। बल्कि हाल की सम्पन्न बैठक के बाद चीनी मीडिया में मोदी जी को लेकर जो कुछ कहा उस भाषा से मोदी जी का ही नहीं हिंदुस्तान का अपमान होता है।

विदेश सचिव रहे जयशंकर जब विदेश मंत्री बनाए गए थे तब काफी गुणगान होता था पर आज चीन, रूस और जापान के शासन प्रमुख तो अपने विदेश मंत्रियों के साथ बैठे और सामने मोदी जी रक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव के साथ बैठे थे।

इस बीच जब पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्द्धन शृंगला को राष्ट्रपति ने राज्यसभा में मनोनीत किया तो खबर उड़ी थी कि उन्हें विदेश मंत्री बनाया जा रहा है। वह लंबे समय तक वाशिंगटन में भारतीय राजदूत थे और माना जाता है कि वहां उनकी अच्छी जान पहचान है जो कि इस संकट के समय भारत को लाभ दिला सकता है।

लेकिन जब विदेश मंत्रालय और विदेश मंत्री को उनके मुखिया की फ़ोटो छपवाने से फुर्सत न हो तब विदेश नीति, उसके फल और लाभ घाटे का हिसाब लगाना बेवकूफी ही है। ऐसे में चीन, पाकिस्तान, सभी पड़ोसी देश और अमेरिका से संबंध अपने निम्नतम बिंदु पर पहुंचें इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है।

आपातकाल के पांच दशक

लोकतंत्र और संविधान से सबक

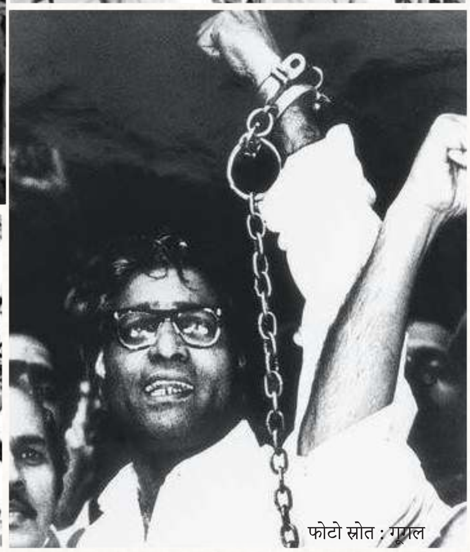

फोटो स्रोत : गूगल

बुलेटिन ब्यूरो

आज 50 वर्ष बाद 25 जून 1975 की काली यादें भी पीछा नहीं छोड़ रही है। देश में तब आपातकाल की घोषणा के साथ आतंक का राज स्थापित हो गया था। रातो-रात गिरफ्तारियां, अखबारों पर सेंसरशिप। संवैधानिक संस्थाओं को निष्क्रिय करते हुए तमाम मौलिक अधिकार भी छीन लिए गए थे। न अपील, न वकील और न ही दलील। पूरी तरह तानाशाही।

आपातकाल लगते ही जयप्रकाश नारायण, मोरार जी देसाई, चौधरी चरण सिंह, मधु लिमए, राजनारायण, चंद्रशेखर और मुलायम सिंह यादव आदि नेता गिरफ्तार कर लिए गए। देश भर में 1,10,000 लोग जेल के सींखचों के पीछे डाल दिए गए। 1975-77 के बीच 1.07 करोड़ से अधिक लोगों की नसबंदी की गई थी। 548 शिकायतें अविवाहितों की नसबंदी से

संबंधित थीं।

नसबंदी से जुड़ी 1774 मौतों के मामले शाह आयोग की रिपोर्ट में दर्ज है। संसद में ये जानकारियां गृहमंत्रालय में राज्यमंत्री श्री नित्यानंद राय ने दी। दमन के दौर में तब न जाने कितने अपनी जान गंवा बैठे, कितने परिवार उजड़ गए और कितने ही निर्दोष यातनाओं के शिकार बना दिए गए।

आखिर जनता कब तक सहती। हर जोर-जुल्म की इंतिहा होती है। आपातकाल के विरोध में तब भूमिगत कार्यवाहियां होने लगीं। जनता को जागरूक करने और तानाशाही के विरोध में जहां जगह-जगह विरोध प्रदर्शन होने लगे वहीं तमाम पत्र-पत्रिकाएं तथा प्रकाशन भी चोरी छुपे सामने आने लगे जिनमें विरोध का आवाह्न था। जनवाणी, प्रतिरोध, युवा संघर्ष और रेजिस्टेंस जैसे प्रमुख प्रकाशन उस समय सरकार की नजर में खटक रहे थे।

मेरठ विश्वविद्यालय के एक नौजवान छात्रनेता राजेन्द्र चौधरी लोकतंत्र पर हमले से अछूता कैसे रह सकते थे। तब वह चौधरी चरण सिंह जी के भारतीय लोक दल के युवा संगठन के राष्ट्रीय महासचिव थे। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर 'प्रतिरोध' पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया। इसका विवरण 'आपरेशन इमरजेंसी' पुस्तक में दिया गया है।

उन दिनों ऐसी पत्रिका का प्रकाशन भी संकट को खुद आमंत्रण देना था। पत्रिका को कार्यकर्ताओं तक पहुंचाना, जागरूक साथियों को उपलब्ध कराना आसान नहीं था। हर जगह खुफिया पुलिस की निगाहें रहती थीं। पत्रिका का प्रसार दिल्ली, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश तक हो चला था। उन दिनों इन कामों में भी कितना जोखिम था इसकी एक बानगी। एक बार प्रतिरोध पत्रिका छपवाकर राजेन्द्र चौधरी और केसी त्यागी एक ऑटो से राष्ट्रपति भवन चौराहे तक पहुंचे ही थे कि प्रधानमंत्री का काफिला आ पहुंचा। चारों तरफ चौकस पुलिस पर गनीमत ऑटो की चेकिंग नहीं हुई।

अगर उस दिन पुलिस को प्रतिरोध पत्रिका की कापियां मिल जातीं तो पुलिस की हिरासत में जो प्रताड़ना मिलती उसकी कहानी भी वे नहीं बता पाते। प्रतिरोध पत्रिका के कुछ अंश निकलने के बाद इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया। अंक जब्त हो गए।

राजेन्द्र चौधरी भूमिगत प्रकाशन तक ही नहीं रुके। संपूर्ण क्रांति आंदोलन के दौरान लोकतंत्र के संघर्ष में वे छात्रों नौजवानों के अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय रहे। 23 दिसंबर 1975 को गाजियाबाद के

फाइल फोटो

फाइल फोटो

चौधरी चरण सिंह जिंदाबाद के नारे लगाते राजेन्द्र चौधरी जब सड़क पर उतरे तो हलचल मच गई। पुलिस हक्काबक्का।

तभी गाजियाबाद थानाध्यक्ष ओपी उपाध्याय राजेन्द्र चौधरी और केसी त्यागी सहित 12 लोगों की गिरफ्तारी दिखाकर थाने लाए और उन पर 'इंदिरा गांधी का तख्ता पलट दो' का नारा लगाने के जुर्म पर मुकदमा दर्ज कर मेरठ जेल भेज दिया। गिरफ्तार लोगों के नाम जो एफआईआर में दर्ज हैं क्रमशः राजेन्द्र चौधरी, अतर सिंह, जयप्रकाश, खचेड़ू सिंह, किरन सिंह, ज्ञान सिंह, महेन्द्र सिंह, तुलसी राम, अनूप सिंह, लईक अहमद, जयसिंह, कृष्णचंद्र त्यागी।

राजेन्द्र चौधरी को पुलिस हथकड़ी लगाकर 50 किलोमीटर दूर मेरठ जेल ले गई जबकि चौधरी तब एमए एलएलबी कर चुके थे। मेरठ विश्वविद्यालय के छात्र नेता पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और राजेन्द्र चौधरी दोनों युवा नेताओं को चौधरी चरण सिंह जी ने भारतीय क्रांति दल से विधानसभा का 1974 में प्रत्याशी बनाया था।

सत्यपाल मलिक बागपत से विधायक रहे और राजेन्द्र चौधरी गाजियाबाद से विधायक बने। आखिर तत्कालीन केन्द्र सरकार को जनप्रतिरोध के सामने झुकना पड़ा और 1977 में आपातकाल हटाने की घोषणा और लोक सभा के चुनाव हुए। देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था की पुनः स्थापना हुई।

देश को दूसरी आजादी तो मिली पर देश में वैसी ही स्थितियां आज फिर उभरती हुई नज़र क्यों आती हैं? यदि राजनीति के हाल के घटनाक्रम को देखें तो पुराने काले अध्याय के दुहराव की आशंका को टाला नहीं जा सकता। स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों से खिलवाड़ से क्या संदेश मिलता है?

आज की सत्तारूढ़ सरकार जनभावनाओं के प्रति संवेदनशून्य है। जनता के मौलिक अधिकारों का जिस तेजी से हनन किया जा रहा है वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी पर सबसे ज्यादा हमला है। असहिष्णुता चरम पर है। संवैधानिक संस्थाएं कमजोर की जा रही हैं। नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। चौथे स्तंभ पर लगातार चोट हो रही है। हर तरफ असुरक्षा का वातावरण जानबूझकर पैदा किया जा रहा है।

यह तो ऐतिहासिक तथ्य है कि भाजपा सरकार स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों और आदर्शों से अपरिचित है। वह त्याग, बलिदान और स्वतंत्रता के मूल्यों की उपेक्षा करती है। राष्ट्रीय सम्प्रभुता और नागरिक आजादी के लिए 1942 की लड़ाई हो या 1975 की, उसके लिए समाजवादियों की प्रतिबद्धता रही है।

लोकतंत्र के प्रति अपनी सोच और सकारात्मक जनसरोकार की दृष्टि के साथ, जब श्री अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के 2012 से 2017 तक मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले किए जिनका संदेश दूर-दूर तक जाता है।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर जेपीएनआईसी गोमतीनगर लखनऊ स्थित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण के लिए तमाम सरकारी बाधाएं खड़ी करने के बावजूद भी श्री अखिलेश यादव को गेट फांदकर जेपी की मूर्ति पर माल्यार्पण करना

गाजियाबाद के रामलीला मैदान में 23 फरवरी 1975 को लोकनायक श्री जयप्रकाश नारायण की उपस्थिति में सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन की जनसभा को राजेन्द्र चौधरी सम्बोधित करते हुए।

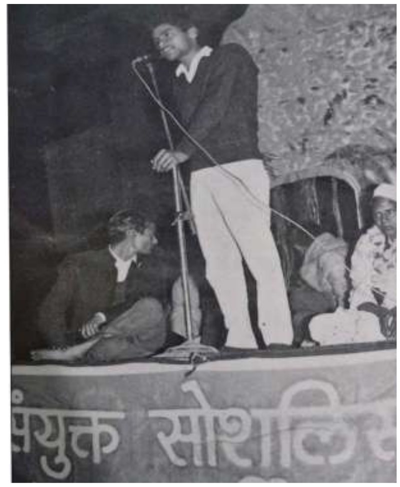

गाजियाबाद (1969) में डॉ. लोहिया की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी (बरगद चुनाव चिन्ह) द्वारा आयोजित जनसभा को छात्रनेता, समाजवादी युवजन सभा के संयुक्त राज्य मंत्री राजेन्द्र चौधरी सम्बोधित करते हुए।

पड़ा। क्या भाजपा का यही लोकतंत्र है?

2012 में उत्तर प्रदेश में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनने पर लोकतंत्र को बचाने के संघर्ष में, जिनकी भागीदारी थी, उनको सम्मानित करने का काम प्राथमिकता से हुआ।

श्री अखिलेश यादव के मंत्रिमंडल में खाद्य रसद एवं जेल मंत्रालय के अतिरिक्त, राजनीतिक पेंशन विभागों के कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी राजेन्द्र चौधरी को मिली। कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने मुख्यमंत्री जी की सलाह पर लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान सुविधा देने के लिए "उत्तर प्रदेश लोकतंत्र सेनानी सम्मान अधिनियम 2016" बनाया। लोकतंत्र सेनानी, जिन्होंने आपातकालीन अवधि, (दिनांक 25.06.1975 से दिनांक 21.03.1977 तक) में लोकतंत्र की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से संघर्ष किया एवं जो मीसा, डीआईआर के अधीन कारागार में निरुद्ध रहे हों, को सम्मान राशि, एक सहयोगी के साथ निःशुल्क परिवहन से यात्रा की सुविधा, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था के लिए अधिनियम बनाया गया।

लोकतंत्र सेनानियों को केवल सम्मानजनक सम्मान राशि ही नहीं, मरणोपरांत उनकी राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि की भी व्यवस्था की गई। लोकतंत्र सेनानी की मृत्यु के पश्चात उनके आश्रित को भी पेंशन का लाभ मिलेगा। आजकल लोकतंत्र सेनानियों को प्रतिमाह 20 हजार रुपये की सम्मान राशि मिल रही है। इससे उनके सम्मानपूर्ण जीवन निर्वहन का संवेदनशील कार्य हुआ है।

आपातकाल का अनुभव समेटे राजेंद्र चौधरी बीते 50 वर्षों की राजनीतिक यात्रा के निष्कर्ष स्वरूप कहते हैं कि मौजूदा समय में समाज के अंतिम व्यक्ति की मानवीय गरिमा को सुरक्षित रखने के साथ समतामूलक, शोषणविहीन लोकतंत्र बनाए रखने में पीडीए की भूमिका प्रभावी हो सकती है। पूरे देश में अधिनायकशाही के खिलाफ सबसे प्रखर आवाज उत्तर प्रदेश से ही दिखाई और सुनाई दे रही है।

बीते कुछ वर्षों से जिस प्रकार संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित भारतीय संविधान को कमजोर करने, आरक्षण समाप्त करने और नागरिक अधिकार छीनने का दुष्चक्र रचा जा रहा है, उसके खिलाफ पुरजोर प्रतिरोध भी उठ रहा है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर संदेह की उंगलियां उठ रही है। लोकतंत्र की सुरक्षा और संविधान को बचाने के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है।

(इमरजेंसी में 'प्रतिरोध पत्रिका' शीर्षक के अनर्गत लेख में लोकतंत्र रक्षक सेनानी, यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी के आपातकाल के पूर्व और उस दौरान के घटनाक्रम एवं अनुभवों का सिलसिलेवार ढंग से वर्णन है)

अखिलेश का संदेश

वोट बनवाने से गिनवाने तक सतर्क रहें समाजवादी

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में 2027 के चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने की रणनीति के तहत समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को समझाना शुरू कर दिया है।

उनका साफ संदेश है कि मतदाता सूची से लेकर मतदान तक बूथ स्तर पर डटना होगा ताकि भाजपा कोई साजिश न कर पाए। श्री यादव कार्यकर्ताओं को बता रहे हैं कि सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए जरूरी है कि 2027 में भाजपा का सफाया हो जाए। जनता भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए तैयार है इसलिए समाजवादी साथियों को खास तवज्जो के साथ बूथ स्तर पर जुटना होगा।

28 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव उत्तर प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है। लोकतंत्र के खिलाफ भाजपा की साजिश से सावधान रहना है। लोकतंत्र तभी सुरक्षित रहेगा, जब भाजपा सत्ता से बाहर जाएगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी को हर बूथ पर बीएलए बनाना है। बीएलए लिस्ट पर कार्यकर्ता कार्य करते रहें। बूथ पर काम करते रहना है। बूथ को मजबूत करना है। पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं को बहुत काम करना होगा। वोट बनवाना, वोट

बचाना, वोट पड़वाना और वोट गिनवाना हर काम में सक्रिय रूप से शामिल होना होगा।

22 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर जुटे यूपी के कई जिलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग कर वोटों की डकैती की है। उपचुनाव में भी वोटों की डकैती हुई है।

3 सितंबर को राज्य मुख्यालय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश से सामाजिक न्याय के राज की स्थापना और अन्याय को मिटाने के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में निर्दोषों को झूठे मुकदमें में फंसाया जाता है। संविधान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। भाजपा की केन्द्र सरकार का तीसरा कार्यकाल है लेकिन देश की जनता को परेशानी और तबाही के सिवा क्या मिला? सरकार बताए कि नोटबंदी का परिणाम क्या रहा? प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र में भी विकास क्यों नहीं हुआ? वाराणसी में आयी बाढ़ की भयावह स्थिति को सभी ने देखा। भाजपा ने झूठे सपने दिखाकर लोगों को विनाश के कगार पर पहुंचा दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के एजेंडे में नौकरी रोजगार नहीं है। आउटसोर्स से बेरोजगारी का स्थायी हल नहीं होगा। भाजपा ने जनता का भरोसा खो दिया है। भाजपा पर किसी को भरोसा नहीं रह गया है। जनता को समाजवादी पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों पर भरोसा है। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में विकास के तमाम कार्य किए हैं। सपा की सरकार में हर वर्ग को न्याय और सम्मान मिलेगा। सबका विकास होगा। प्रदेश में खुशहाली आयेगी।

4 सितंबर को राज्य मुख्यालय पर प्रदेश के कार्यकर्ताओं-नेताओं के बीच श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा धोखेबाज पार्टी है। भाजपा जनता को पिछले एक दशक से छल रही है। विपक्षी दलों और मतदाताओं के साथ दुश्मनों जैसा बर्ताव करती है। भाजपा किसी की सगी नहीं है वह अपनों को भी धोखा देने से बाज नहीं आती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हटाओ, समाजवादी पार्टी की सरकार बनाओ तभी अन्याय, अत्याचार और गैरबराबरी समाप्त होगी। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी से भाजपा को लेकर जनता में भारी आक्रोश है। भाजपा सरकार ने जनता के साथ बेईमानी की है। भारी टैक्स लगाकर सरकार जनता से वसूली करती रही। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी नीतियों पर चलकर ही गैरबराबरी को दूर किया जा सकता है। समता और सम्पन्नता ही समाजवाद है।

भाजपा वोट चोरवा पर पीडीए की ललकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 27 अगस्त को सोनभद्र के सांसद छोटे लाल सिंह खरवार द्वारा रचित समाजवादी गाना "भाजपा वोट चोरवा पर पीडीए की ललकार" लांच किया। श्री खरवार आदिवासी समाज में बहुत लोकप्रिय हैं। वह प्रख्यात गीतकार तथा संगीत के अच्छे जानकार हैं। उनका गाना पीडीए की ललकार सोनभद्र के आसपास क्षेत्रों में बहुत लोकप्रिय है। यहां तक कि तमाम सम्मेलनों, आयोजनों में भी यह गाना बजता है। नौजवानों के बीच यह गाना खूब प्रचलित है।

गाना लांच करने के अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, रामपुर सांसद मोहिबुल्ला नदवी, सांसद देवेश शाक्य तथा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल मौजूद रहे।

अन्नदाता के हक में सड़क पर उतरे समाजवादी

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में खाद की किल्लत से जूझ रहे किसानों के हक को लेकर समाजवादी पार्टी ने भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार आवाज बुलंद की है। उत्तर प्रदेश के जिलों में समाजवादी पार्टी ने खाद की किल्लत दूर करने के लिए धरना-प्रदर्शन किया। अन्नदाता को उनका हक दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और किसानों को खाद दिलाने की मांग की। किसान विरोधी भाजपा सरकार ने तानाशाही का परिचय देते हुए समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिशें कीं और उनकी गिरफ्तारी तक कर ली।

पूरे उत्तर प्रदेश में खाद को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। खाद की किल्लतों की खबरें आम हैं और किसान बेहाल है। कई जिलों में रात में भी खाद के लिए किसानों की लंबी कतारें लगीं। पुलिस ने खाद के लिए लाइन में लगीं महिलाओं और पुरुषों को कई जिलों में पीटा भी। समाजवादी पार्टी ने किसानों पर हो रहे जुल्म की आवाज बुलंद की। सिद्धार्थनगर में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने प्रदर्शन किया। कई और जिलों में भी समाजवादी पार्टी ने किसानों के हक के लिए धरना प्रदर्शन किया।

26 अगस्त को लखनऊ में विधान भवन पर समाजवादी पार्टी के विभिन्न युवा संगठनों के नौजवान कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सरकार में किसानों को हो रही खाद की किल्लत को लेकर धरना प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा के सरकार में सबसे ज्यादा किसान परेशान है।

किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य भी भाजपा की सरकार में नहीं मिल रहा है। किसान सबसे ज्यादा परेशान हैं। न तो उसे खाद मिल रही है औ न ही उसकी फसल का सही दाम। भाजपा सरकार में खाद की कालाबाजारी हो रही है जिससे किसानों को खाद नहीं मिल रही।

प्रदर्शन कर रहे समाजवादी पार्टी के

कार्यकर्ताओं को पुलिस गिरफ्तार करके इको गार्डेन ले गई जहां समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इं विनीत कुशवाहा तथा प्रवक्ता श्री फारूख हसन चांद ने पहुंचकर सभी प्रदर्शनकारियों की रिहाई कराई और हौसला बढ़ाया।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से सर्वश्री राज साहनी, राम प्रकाश मौर्य, कुणाल मौर्या, पंकज कुशवाहा, जीतू कश्यप, नवनीत यादव, सुभम यादव, सत्यम कुशवाहा, जयमंगल यादव, दीपक, दिनेश, रवि प्रकाश, अंकित यादव, कामता कुण्डा, पंकज राजभर, अजीत यादव, माधव यादव आदि शामिल रहे।

किसानों के लिए बोझ है भाजपा सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में खाद प्रदेश में संकट के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। सरकार बताए कि खाद कहां है? इस सरकार में किसान पर चौतरफा संकट हैं एक तरफ फसलों के लिए खाद नहीं है, दूसरी तरफ जंगल से सटे जिलों में जंगली जानवर के हमलों में किसानों की जानें चली जा रही हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान लगातार संकट के दौर से गुजर रहा है। किसानों को फसलों के लिए खाद नहीं मिल रही है। प्रदेश में खाद का भारी संकट है। जब से भाजपा सत्ता में आई है किसान यूरिया खाद से लेकर डीएपी खाद के लिए परेशान हैं। खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी हो रही है। भ्रष्टाचार, लूट, बेईमानी चरम पर है।

धान और अन्य फसलों के लिए पहले किसानों को डीएपी और यूरिया नहीं मिली, अब भी फसलों में छिड़काव के लिए यूरिया नहीं मिल पा रही है। खाद को लेकर किसान जगह-जगह धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर हैं। भाजपा सरकार किसानों के लिए बोझ बन गई है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कई जिलों में सहकारी समितियों पर महीनों खाद की कमी की खबरें सामने आ रही हैं। खाद के लिए किसान लाइनों में लग रहे हैं उन्हें खाद के बजाय लाठियां मिल रही हैं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार किसानों को खाद, बीज, पानी की सुविधा देने में पूरी तरह फेल हो चुकी है।

लखनऊ, अयोध्या, सुल्तानपुर, श्रावस्ती, सोनभद्र सहित तमाम जिलों में किसान अभी भी खाद के लिए भटक रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे हैं। खाद के लिए घंटों लाइनों में लग रहे है लेकिन किसानों को खाद नहीं मिल रही है। कई जगह खाद में लाइन में लगे-लगे बुजुर्ग किसानों की जान चली गई।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष तो खरीफ की फसल की शुरुआत से ही खाद को लेकर मारामारी है इसके पहले किसानों को गेंहू, चना, सरसों, आलू के लिए डीएपी और यूरिया नहीं मिल पाई। भाजपा सरकार में फैले भ्रष्टाचार के मकड़जाल में खाद, बीज सब लूट लिया जा रहा है। सरकार बेईमानी और लूट रोकने में पूरी तरह विफल है।

उलेमाओं ने की दुआ
अखिलेश फिर से बनें सीएम

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए उलेमा-ए-इकराम के एक प्रतिनिधिमंडल ने 2 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में मुलाकात की। विभिन्न पहलुओं पर गुफ्तगू करने के बाद उलेमा-ए-इकराम ने श्री अखिलेश यादव को दुबारा मुख्यमंत्री बनने की दुआ की।

मुलाकात के दौरान उलमा-ए-इकराम ने एक स्वर में श्री अखिलेश यादव के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करते हुए कहा कि हम यकीन से यह बात कहते हैं कि आप नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव के नक्शे कदम पर चल रहे हैं। हम सभी लोग पूरी ताकत से समाजवादी पार्टी के साथ हैं। श्री अखिलेश यादव ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का सभी से एक भावनात्मक रिश्ता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार की पराकाष्ठा हो गई है। कानून का राज नहीं रह गया है। निर्दोषों को झूठे मुकदमों में फंसाया जा रहा है। मॉब लिंचिंग में हत्याएं हो रही हैं। पुलिस हिरासत में मौतें हो रही हैं। भाजपा सरकार अपने राजनीतिक फायदे के लिए पुलिस का गैरकानूनी इस्तेमाल कर रही है। भाजपा प्रशासन का दुरुपयोग कर रही है। भ्रष्टाचार, लूट बेईमानी चरम पर है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में बर्बाद कर दिया हैं आज किसानों, नौजवानों छात्रों समेत सभी वर्गों की कोई सुनवाई नहीं हैं। भाजपा सरकार ने बुनकरों का कारोबार चौपट कर दिया है। भाजपा नफरत का कारोबार करती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कमजोर करने में समाजवादी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। 2027 में समाजवादी पार्टी भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता से बाहर करना ही देश हित में है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी। पीडीए की नीति पर चलकर सबके कल्याण, विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। सबके साथ इंसाफ होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी

बुनकर समाज का संकल्प बनाएंगे अखिलेश सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से 2 सितंबर को बुनकर व राइन समाज के प्रमुख लोगों ने मुलाकात की और 2027 में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प दोहराया।

हाजी ओसामा अंसारी अध्यक्ष बुनकर मोमिन अंसार एसोसिएशन बाराबंकी, शोएब सिद्दीकी, हारून राईन अध्यक्ष राईन समाज तथा मोहम्मद वसीम सिद्दीकी जिला सचिव समाजवादी पार्टी बाराबंकी ने श्री यादव से भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।

बुनकर समाज के प्रतिनिधियों ने श्री अखिलेश यादव के प्रति कृतज्ञता जताते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में बुनकरों को फ्लैट रेट पर बिजली का लाभ मिलता था। भाजपा सरकार ने बिजली महंगी कर दी है। वह भी नियमित और निर्बाध रूप से नहीं मिलती है।

समाजवादी सरकार में बुनकरों के लिए बाजार बनाए थे। लखनऊ में अवध शिल्पग्राम तथा अवध बाजार बना था ताकि उद्यमियों के उत्पाद का आसानी से विक्रय हो सके। सब बर्बाद हो गया है। उन्होंने कहा कि बुनकर समाज 2027 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए संकल्पित है।

श्री अखिलेश यादव ने सभी बुनकर प्रतिनिधियों का सम्मान करते हुए कहा कि बुनकर और राईन समाज पीडीए का हिस्सा है। बुनकरों की समस्याओं से वह वाकिफ हैं। बुनकरों को न्यूनतम ब्याज पर ऋण की सुविधा मिलनी चाहिए। पावरलूम के लिए बिजली सस्ती और समय से मिलनी चाहिए।

समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं की बड़ी जिम्मेदारी है।

भाजपा नफरत और सांप्रदायिकता की राजनीति करती है। भाजपा चुनाव में हर स्तर पर बेईमानी करती है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सतर्क रहना होगा। बूथ को और मजबूत करना होगा। कार्यकर्ताओं का काम बहुत बढ़ गया है। वोट बनवाना, वोट बचाना, वोट पड़वाना और वोट गिनवाना। हर काम को पूरी मेहनत और जागरूकता से करना होगा।

समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल कादरी तथा प्रदेश अध्यक्ष मो शकील नदवी के साथ श्री अखिलेश यादव से मुलाकात करने वाले उलेमाओं में प्रमुख रूप से सर्वश्री मौलाना आरिफ (ज़हूर कासमी), कारी सलीम देवबंद, मौलाना अब्दुल हलीम साहब, मौलाना अशरफ साहब, मौलाना इकबाल साहब, मौलाना सुफियान साहब, मौलाना शमशाद साहब, मौलाना उमैर साहब, मुफ्ती मोहम्मद मुदस्सिर साहब, बहरोज़ आलम (जहूर कासमी), कारी मो. असगर साहब, कारी अफजाल साहब, सूफी मुकीम साहब जगेता, कारी जुनैद साहब, कारी सईद अहमद साहब, मुफ्ती साबिर साहब, मुफ्ती अतहर साहब, हाजी अय्यूब साहब, मौलाना हारून साहब, मौलाना रेहान साहब, मुफ्ती जुल्फिकार साहब, मौलाना आकिल साहब, मौलाना रिजवान साहब, मुफ्ती नुवेद साहब, कारी शुएब साहब, कारी नईम साहब, कारी इमरान साहब, मौलाना फरमान साहब, मौलाना आलिशान साहब आदि शामिल रहे।

सिख समाज ने जताया अखिलेश पर भरोसा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में 12 सितंबर को सिखों का बड़ा सम्मेलन जोशखरोश के साथ आयोजित किया गया। सिख सम्मेलन के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव रहे। सम्मेलन के दौरान डा राम मनोहर लोहिया सभागार "बोले सो निहाल, सतश्री अकाल" और "वाहे गुरू जी का खालसा, वाहे गुरू जी की फतेह" के नारों से गूंजता रहा।

सम्मेलन में आए सिख समाज ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पर भरोसा जताते हुए 2027 में समाजवादी सरकार और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने को अपनी इज्जत का सवाल बताया। कार्यक्रम का आयोजन श्री तेजिंदर सिंह विर्क रामपुर और सरदार कुलदीप सिंह भुल्लर पीलीभीत ने किया। सिख सम्मेलन में श्री अखिलेश यादव को श्री सिमरनजीत लाडी ने सिखों की शान पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

सिख सम्मेलन में सिख साहेबान का आभार जताते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सिख बहादुर कौम हैं। उन्होंने अपने परिश्रम से जोखिम उठाकर दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। भारत की मिट्टी के लिए उनके बलिदान कभी भुलाये नहीं जा सकेंगे। कारोबार और कृषि के क्षेत्र में सिख समाज ने बहुत काम किए है।

उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में सिख समाज ने खेत में पसीना बहाकर कृषि का रिकॉर्ड विकास किया है। सिख समाज के सेवाभाव की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में लंगर की परम्परा उन्हीं की देन है। गुरु नानक देव जी का रास्ता जात पात की

बुराई से अलग है। सिख समाज में नफरत का भाव नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बुराइयों से भरी पड़ी हैं, उसकी पराजय तय है। इन दिनों सर्वत्र पीडीए की हवा बह रही है। भाजपा ने किसानों को अपमानित किया है। भाजपा मुनाफाखोर पार्टी है। समाजवादी सरकार में गन्ना किसानों की चिंता होती है। समाजवादी सरकार बनने पर किसान फंड बनाया जाएगा। किसान को परेशान नहीं होने देंगे। सिख समाज भरोसेमंद है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में ऐसी व्यवस्था होगी जिसमें किसान सीधा बाजार से जुड़ जाएगा। इसके लिए सरकार के सहयोग से मंडिया स्थापित होंगी जिनका संचालन स्वयं किसान करेंगे। विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर बनेगा। किसानों के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित होगा। समाजवादी मानते है कि जब किसान खुशहाल होगा तभी भारत तरक्की कर सकेगा।

सिख समाज के प्रतिनिधि वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी सरकार में सिख समाज के साथ न्याय होता है, वे लोग हमेशा उनके ऋणी रहेंगे। वक्ताओं ने डीएपी खाद की कालाबाजारी की चर्चा की और कहा कि किसान परेशान हैं। इस अवसर पर सिख समाज की ओर से कुछ प्रमुख मुद्दों एवं सुझावों से अवगत कराया गया। सिख समाज की मांग है कि किसान आंदोलन में शहीद किसान परिवारों को न्याय व सम्मान, प्रदेश के किसानों को जमीनों का मालिकाना हक एवं एमएसपी की गारंटी मिले, सरकार बनने पर सिख धर्म के साथ धार्मिक भेदभाव व सामाजिक सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाया जाए। साथ ही समाज के विशेष धार्मिक पर्वों एवं आयोजनों पर श्री अखिलेश यादव की उपस्थिति का अनुरोध किया गया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने सर्वश्री तेजेन्द्र सिंह बिर्क, दलजीत सिंह, लवप्रीत सिंह, रमन कश्यप, साहब सिंह दुबदल तथा नानकमता कमेटी के सर्वश्री निर्मल सिंह, गुरबाग सिंह आजाद, परविंदर सिंह तथा हरजिंदर सिंह को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

सपा की जीत के लिए बूथों पर डटेंगे शिक्षक

बुलेटिन ब्यूरो

शिक्षक दिवस पर 5 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर समाजवादी शिक्षक सभा की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव रहे।

इस अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने श्री अखिलेश यादव को स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया और संकल्प लिया कि 2027 में समाजवादी सरकार बनाने के लिए वे बूथों पर डटेंगे।

सम्मान समारोह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा प्रो. बी. पाण्डेय ने की तथा संचालन श्री कमलेश यादव प्रदेश महासचिव ने किया। श्री यादव ने शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि

शिक्षक व्यक्तित्व का निर्माण करता है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा, शिक्षक और छात्र सभी की जिंदगी से खेल कर रही है। अभी प्राइमरी शिक्षा संस्थाएं बंद की जा रही हैं। आगे इंटर डिग्री कॉलेज भी बंद करने की साजिश है। भाजपा चाहती है गरीब का बच्चा पढ़ने लिखने से वंचित हो। आने वाली पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमने संकल्प लिया है कि आने वाले समय में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाकर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर नौजवानों को सम्मानजनक काम दिलाने का काम करेंगे। युवाओं को सम्मानजनक नौकरी मिले और सम्मान पूर्वक जीवन यापन की सुविधा हो। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, ज्योतिबा फुले आदि तमाम महापुरूषों ने समय-समय पर समाज को दिशा देने का काम किया, उस दिशा में काम होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार और चुनाव आयोग मिलकर वोट की हेराफेरी करती है। इसलिए शिक्षक सभा को मतदाता सूची में नाम कटने और जोड़ने की व्यवस्था के बारे में सजग रहना होगा। बूथ स्तर तक संगठन की मजबूती में शिक्षक सभा को अपना योगदान देने के लिए तैयार रहना होगा ताकि 2027 के चुनाव में कोई गड़बड़ी न हो पाए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए का रास्ता न्याय के लिए है। पीडीए सरकार से सामाजिक न्याय के राज्य की स्थापना होगी और सभी पीड़ितों, वंचितों के चेहरों पर मुस्कान आएगी। सबको सम्मान से जीने की नई राह खुल जाएगी। असमानता समाप्त होगी और सभी को खुशहाल जिंदगी जीनें का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव को कई शिक्षकों ने स्मृतिचिन्ह भेंट किए। शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणींद्र मिश्र ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय पर केन्द्रित धन्यवाद, आभार अभियान स्मारिका तथा रुडयार्ड किपलिंग की एक कविता का फ्रेम भेंट किया।

शिक्षक सभा के कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव, डॉ. मानसिंह यादव एमएलसी, आशुतोष सिन्हा एमएलसी, पूर्व एमएलसी असीम यादव, वासुदेव यादव एवं रामबृक्ष सिंह यादव, जावेद आब्दी के साथ ही सर्वश्री प्रो एसपी पटेल, कुलदीप यादव, डॉ.रूदल यादव, डॉ. दिवाकर यादव, डॉ. इन्द्रसेन शास्त्री, नरेन्द्र सिंह यादव, आलोक यादव, अजयवीर यादव, डॉ. दिलीप कुमार पासवान, रतेन्द्र सिंह, राकेश यादव, शाहरुख रिजवी, डॉ. राहुल यादव, डॉ. फरीदुर्रहमान, डॉ. शाह आलम, संतोष कुमार सिंह, अमित कुमार, सुनील बाजपेयी, अनुराग सचान, यतींद्र शर्मा, वरुण सेंगर, राजन दीक्षित, डॉ. तरूण कुमार, डॉ. राजीव यादव आदि मौजूद रहे।

आदिवासी समाज को सपा देगी अधिकार व सम्मान

बुलेटिन ब्यूरो

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 14 अगस्त को चंदौली में आदिवासी जुलूस के बाद उनकी जायज़ मांगों का समाजवादी पार्टी ने समर्थन करते हुए भरोसा दिलाया कि 2027 में समाजवादी सरकार बनने पर आदिवासी समाज को उनका अधिकार व सम्मान दिलाया जाएगा।

अधिवक्ता विजय गोड बार्डर राष्ट्रीय सचिव समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के नेतृत्व में चन्दौली मझवार रेलवे स्टेशन से निकले आदिवासी जुलुस के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने आदिवासी झंडा दिखाकर जुलूस को रवाना किया।

यह जुलूस चंदौली कचहरी होते हुए सकलडीहा मार्ग से कार्यस्थल विमला वाटिका तक निकला जिसमें हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोगों ने शिरकत की।

कार्यक्रम में आदिवासी समाज के लोगों ने अपने संवैधानिक हक-अधिकार, वनाधिकार कानून के तहत उत्तर प्रदेश के अंतर्गत आने वाले, जंगल क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी गोड खरवार, चेरो पनिका आदि की वनाधिकार के तहत भूमि आवंटित करने की आवाज उठाई गई।

कार्यक्रम में 1857 की क्रान्ति में शहीद व जल जंगल जमीन की लड़ाई में अंग्रेजों, साहुकारों, जमीदारों से लड़ाई लड़ने वाले कांतिकारी आदिवासी भगवान बिरसा मुंडा, गोंड राजा शंकरशाह व रघुनाथ शाह, गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती, टांटया मामा भील, पिताम्बर खरवार, निलाम्बर खरवार व महाराष्ट्र में नागपुर शहर को बसाने वाले गोंड राजे बख्त बुलन्दशाह को याद करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया गया।

आदिवासी समाज ने उत्तर प्रदेश में

अनुसूचित जनजाति आयोग का अलग से गठन, उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजाति वित्त विभाग के गठन की मांग की। साथ ही तहसील चकिया जनपद चंदौली में स्थित गोंडवाना के राज्य चिन्ह को संरक्षित व सुरक्षित कर उसका पूर्ण-जीर्णोधार करने, चन्दौली जनपद में जनजाति संग्राहालय की स्थापना करने, आदिवासी महापुरुष गोंड राजा राजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह के नाम पर जनपद चन्दौली में एक आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना करने, पंचायत चुनाव 2026 में अनुसुचित जनजाति वर्ग के लोगों को प्रदेश स्तर पर 2 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने की मांग की गई। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी ने इन मांगों का पूर्ण समर्थन किया।

कार्यक्रम में सर्वश्री श्री छोटेलाल खरवार सांसद राबर्ट्सगंज, श्री रामकिशन यादव पूर्व सांसद चंदौली, डा रवि गोंड बड़कु प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर, श्री मनोज सिंह डब्लू पूर्व विधायक सैयदराजा, श्रीमती पूनम सोनकर पूर्व विधायक, श्री जितेंद्र प्रसाद पूर्व विधायक चकिया, श्री चंद्रशेखर यादव पूर्व प्रत्याशी मुगलसराय, श्री मुसाफिर सिंह चौहान पूर्व चेयरमैन, श्री चकरु यादव, श्री गुलशेर अरशद सिद्दीकी पूर्व छात्र संघ, अधिवक्ता मनोज यादव विसौरी, विक्की प्रधान अध्यक्ष गुलाब गोंड, संतोष गोंड जिलाध्यक्ष गोंड इम्प्लाइज एसोसिएशन, कान्ता गोंड, दिलीप प्रधान, पिंटू बाबा, त्रिवेणी गोंड प्रधान, बृजेश गोंड, शैलेश गोंड, लक्ष्मण गोंड, धर्मेन्द्र गोंड, पन्ना गोंड, उपेन्द्र गोंड, प्रतेज गोंड, राहुल गोंड, बाढ़ू गोंड आदि मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश के आदिवासी नेताओं ने अखिलेश से की भेंट

बुलेटिन ब्यूरो

मध्य प्रदेश के गोंड आदिवासी नेताओं ने 4 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर अपने क्षेत्र के विशेष उत्पाद भेंट किए।

मध्य प्रदेश के समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश महासचिव गंगा सिंह बडकरे ने श्री अखिलेश यादव को विशेष आदिवासी टोपी खुमरी पेश की। इसके अलावा आदिवासी पीला गमछा और कलगी भी भेंट की गई। युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेन्द्र मेश्राम ने खूबसूरत गोंड पेंटिंग भेंट की।

इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव सूफियान कुरैशी, युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर यदुवेन्द्र यादव, बाबा साहब वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष बाबू लाल पहलवान, एडवोकेट अनिकेत दीपांकर, मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक यादव, विजय वीर यादव, तलवर खान मौजूद रहे।

साफ़ और बेबाक X

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

हम साथ देने आए हैं, पीडीए का संदेश लाए हैं!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

सपा सरकार में बना प्रदेश का पहला अत्याधुनिक मार्डन काउ मिल्क प्लांट भाजपा सरकार ने इसलिए बंद कर दिया है जिससे कि वो पिछले दरवाज़े से इसे बेचकर बीच में मुनाफ़ा कमा सके।

भाजपा गोपालक विरोधी है।

कन्नौज/आसपास जागरण

काऊ मिल्क प्लांट में ताला, जंग खा रहीं जर्मनी व फ्रांस की मशीनें

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

भाजपा की हार, लिखेगा बिहार!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

अपने 'मत का अधिकार' बचाने के लिए अपने 'अधिकार का मत'!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

न रिटायर होऊंगा, न होने दूँगा।

जब अपनी बारी आई तो नियम बदल दिये... ये दोहरापन अच्छा नहीं।

अपनी बात से पलटनेवालों पर पराया तो क्या, कोई अपना भी विश्वास नहीं करता है।

जो विश्वास खो देते हैं, वो राज खो देते हैं।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

भाजपा सरकार की 'हलक़' में फँसा एक और 'हलफ़नामा'।

उप्र की भ्रष्ट सरकार को नक़द मुआवज़ा देने पर भी एक हलफ़नामा देना चाहिए कि 'ये' नक़द पैसा आया कहाँ से या निकाला कहाँ से और जिनको नहीं बँट पाया, उनका पैसा गया कहाँ। साथ ही ये भी जाँच-पड़ताल हो कि जिन्होंने सच में अपनों को खोया वो अभी तक भटक क्यों रहे हैं?

महाकुंभ हादसे में मुआवजे की मांग पर सरकार से हलफनामा तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन हादसे में वृद्ध की मौत पर मुआवजे की मांग पर सरकार से हलफनामा तलब किया है। कहा कि हलफनामा अपर सचिव स्तर से नीचे के अधिकारी का नहीं होना चाहिए। अब मामले की सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

मामला 8

प्रमुख सचिव गृह को पक्षकार बनाने की अनुमति, 17 सितंबर को अगली सुनवाई

मांग कर रहा है लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है।

वहीं, सरकार की ओर से पेश अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने प्रारंभिक आपत्ति दर्ज कराई। कहा कि याचिका के ...

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 4d

बचपन की यादें होती हैं, यादों का बचपन नहीं होता वो उम्र के साथ-साथ बड़ी होती जाती हैं।

अपने स्कूल के शताब्दी समारोह में आकर अपनत्व का ही नहीं, ज़िम्मेदारी का भी गहरा एहसास हुआ। अच्छे स्कूल प्रकाश स्तंभ जैसे होते हैं जो जीवन में हमेशा, हर राह को रोशन करते रहते हैं।

ऐसे शिक्षालय, शिक्षक एवं शिक्षा के लिए हृदय से आभार जिसने देशप्रेम, अनुशासन, मानवता, सौहार्द, करुणा और जनसेवा का शाश्वत पाठ पढ़ाया।

#राष्ट्रीय_मिलिट्री_स्कूल_धौलपुर
#Georgians_Centenary

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

भाजपा ने जब से विश्वविद्यालयों का 'संगी-साथीकरण' किया है तब से विश्वविद्यालय प्रशासन की भेदकारी व पक्षपाती राजनीति का छात्रों की पढ़ाई और उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

भाजपा जाए तो शिक्षा आए!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

वर्चस्ववादी भाजपा सरकार द्वारा 'पीडीए समाज' से किया जा रहा भेदभाव अब तो चालान और सड़कों तक आ गया है।

पीडीए कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

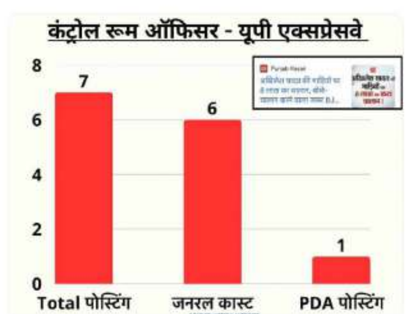

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

हम तो कब से कह रहे हैं 'असली दुश्मन कोई और है'।

China border dispute biggest challenge: CDS

HT Correspondent

GORAKHPUR : Chief of Defence Staff (CDS) General Anil Chauhan on Friday highlighted the unresolved boundary dispute with China as the biggest national security challenge, followed by Pakistan's proxy war and its strategy of "bleeding India by a thousand cuts".

The CDS said dealing with threats emanating from two adversaries with nuclear weap-

General Anil Chauhan

will include space, cyber and electromagnetic domains. It will be a challenge for us to make adjustments and keep ourselves ready for such a scenario," he said.

Underlining the importance of ideology, he said it serves as the lifeblood of a nation. "Just as blood is indispensable to the human body, so is ideology for a nation," he remarked, adding that while a nation's physical identity lies in its territory, its ideological strength is equally crucial for survival and direction.

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

जैसी भाजपा, वैसी ही 'सड़क'
अंदर से खोखली ऊपरी चमक

Built at ₹430 cr, premium road perishes under rain

Commuters Fear To Tread Rugged Path

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 9h

अब तक उप्र भाजपा सरकार की पुलिस 'हिरासत में मौत' का जो रिकॉर्ड-पर-रिकॉर्ड बना रही थी, अब उसका शिकार सत्ताधारी दल के अपने लोग भी होने शुरू हो गये हैं। अब जब अपने लोग मारे गये तो भाजपाइयों को इतने सालों से मारे जा रहे लोगों का दर्द समझ आया है। हर मृतक किसी भी दल से पहले देश का नागरिक है और एक मानव भी, ऐसी हर मौत के लिए पुलिस की घोर निंदा करनी चाहिए और उससे भी ज़्यादा उन लोगों की जिन्होंने ऐसे कुकृत्यों को बढ़ावा दिया है।

सवाल ये भी है कि उप्र की पुलिस को भाजपा और उनके संगी-साथियों व अन्य आनुषंगिक संगठनों पर प्रहार करने के पीछे कौन है। आपसी और अंदरूनी लड़ाई का ख़ामियाज़ा कोई भी क्यों भुगते।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ रोजगार मेले में निराश बेरोज़गार युवाओं द्वारा "हाय–हाय" के नारे लगाना चिंताजनक है। साथ ही कूड़े में बिखरे मिले बायोडाटा सारा हाल बयान कर रहे हैं। सच तो ये है कि हमारे बार-बार कहने से अब युवाओं को भी ये सच समझ में आ गया है कि 'नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं!'

भाजपा जाए तो नौकरी आए!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

किसानों का खाद के लिए आंदोलित होना भाजपा सरकार की सबसे बड़ी नाकामयाबी है।

भाजपा जाए तो फसल लहराए!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

नाम एक, नियुक्तियाँ अनेक!

नियुक्तियों का काम भी 'जुगाड़ आयोग' करने लगा है क्या?

की सरकारी नौकरी फिर स्वास्थ्य विभाग को लगाया 4.5 करोड़ का चूना

गजब हो गया! नाम-पहचान सब एक लेकिन 6-6 जिलों में नौकरी कर रहा अर्पित सिंह, सामने आया चौंकाने वाला मामला

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

जल के बीच जन की सेवा...

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 2d

निर्मम भाजपा सरकार से हताश होकर एक युवा ने आत्मदाह के द्वारा सरकार को जगाने के लिए जो कोशिश की है वो बेहद दर्दनाक है। भाजपा सरकार घायल युवक को अच्छे से अच्छा इलाज-उपचार सुनिश्चित करे और युवक को न्याय प्रदान करे।

नाइंसाफ़ी, नाउम्मीदगी और निराशा भाजपा सरकार की पहचान बन गयी है।

बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

भाजपाई भ्रष्टाचार ने किया बदहाल
गड्ढामार सड़कें और वाहन डग्गामार

उप्र को 'गड्ढा मुक्त' करने का जो 'मुख्य' मुख से दावा करते हैं: उनके दर्शनार्थ, सूचनार्थ और मरम्मतार्थ।

_जो वादा किया वो निभाना..._

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

विजयश्री अखिलेश की हो

वाह-वाह से गूँज रहा यूपी सारे का सारा है
पिछड़े, दलित ,अल्पसंख्यक का बस अखिलेश सहारा है
परिवर्तन की इच्छा है यह PDA का नारा है
हम उसको लेकर मानेंगे जो अधिकार हमारा है
भूले भटके जन मानस का केवल यही सहारा है
वंचित पीड़ित जन मानस की आंखों का वह तारा है
इसीलिए हम सब ने मिलकर यह संकल्प विचारा है
नई सुबह का आने वाला कल अखिलेश तुम्हारा है
जागरुक जनसाधारण का जोरदार जयकारा है
विजयश्री अखिलेश की हो इतना कर्तव्य हमारा है
लोकतंत्र के दुश्मन जितने उन सब को ललकारा है

\- उदय प्रताप सिंह

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in
QR कोड स्कैन करें और
वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party